page 1 and 8 July 16_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/16/2026 2:11 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 डीसी ने डूंगी में ब्लॉक दिवस की अध्यक्षता की

5 अक्षर के आलराउंड प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया, सीरीज में बनाई बढ़त

8 मेंढर में अपनी पार्टी की जनसभा,...

मौसम जम्मू न्यूनतम 25 अधिकतम 36

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-177 | जम्मू तवी, वीरवार 16 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

कॉर्पोरेट सीएसआर से खेत तक रिसर्च पहुंचाने का रोडमैप तैयार

कृषि क्षेत्र को स्टार्टअप, स्किलिंग और एग्रीटेक से मिलेगी ताकत

नई दिल्ली, 15 जुलाई । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रिसर्च लैब तक सीमित न रहे बल्कि फ्विज्ञान से किसान तकफ् का पुल बने, ताकि जलवायु अनुकूल खेती, मृदा स्वास्थ्य, पोषण-सुरक्षित भोजन, कृषि कौशल विकास और महिला किसानों की उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में सीएसआर निवेश से वास्तविक जमीन स्तर पर बदलाव दिखे।

पूसा में बुधवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा आयोजित फ्कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कॉन्क्लेव 2026 को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि फ्विकसित कृषि संकल्प अभियानफ् के तहत वैज्ञानिकों को किसान के बीच जाकर नई कृषि पद्धतियों, नई किस्मों और अनुसंधान की जानकारी देने का लक्ष्य रखा गया। उन्होंने कहा कि फ्विज्ञान से किसान तकफ् की यात्रा तेज करनी होगी और इसमें कॉर्पोरेट जगत का सहयोग निर्णायक हो सकता है।

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि पहले रेशा निकालने के लिए 25 दिन तक पानी में भिगोकर रखना पड़ता था, जिससे कई जगह पानी की कमी और खराब क्वालिटी की समस्या आती है, जबकि टेक्नोलॉजी के उपयोग से अब ऐसी मशीनें विकसित हुई हैं जो कम समय में बेहतर रेशा निकालने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी मशीनों का जल्दी से जल्दी कमर्शियलाइजेशन हो, ताकि किसान तक यह तकनीक पहुंचे, यह काम अकेला

सरकारी सेक्टर नहीं कर सकता, इसमें प्राइवेट सेक्टर की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

कॉन्क्लेव के दौरान रखे गए पाँच विषयों की चर्चा करते हुए कहा कि कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना, मृदा स्वास्थ्य बचाना, किसानों की आय और स्वास्थ्य दोनों को सुरक्षित करना और पोषण-समृद्ध, ऋतु-अनुकूल भोजन की संस्कृति को बढ़ाना, आज की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने मिट्टी में ऑर्गेनिक कार्बन घटने, बिना परीक्षण के उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग से हो रही क्षति पर चिंता जताई और कहा कि मिट्टी बचेगी तो भूस भी बचेगा इसलिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसे प्रयासों को सीएसआर के माध्यम से और मजबूत किया जा सकता है।

शिवराज सिंह ने सीएसआर के माध्यम से कृषि को स्ट्रेंथन करने के कई रास्ते गिनाए- एग्री-टेक स्टार्टअप्स को समर्थन, खेती से जुड़े ट्रेनिंग संस्थानों को सहयोग, ड्रोन पायलटों की क्षमता निर्माण, एग्री-बिजनेस लीडर्स और फूड प्रोसेसर तैयार करने जैसे क्षेत्रों में निवेश का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कई बार युवा अगर अच्छा अवसर मिले तो खेती छोड़ना नहीं चाहते बल्कि आधुनिक कृषि और एग्री-उद्यमिता को अपनाना चाहते हैं; सीएसआर इन युवाओं को नए मौके दे सकता है।

महिला किसानों और स्वयं सहायता समूहों की चर्चा करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ड्रोन दीदी से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के एसएचजी आज कृषि-आधारित उत्पादों में नई क्रांति करते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कॉर्पोरेट जगत से आग्रह किया कि महिला किसानों, महिला समूहों और ग्रामीण उद्यमिता को सीएसआर योजनाओं में खास स्थान दिया जाए, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ और मजबूत हो। उन्होंने याद दिलाया कि कानून के तहत 2 प्रतिशत सीएसआर का प्रावधान है, पर इसे सिर्फ कानूनी बाध्यता नहीं बल्कि समाज के प्रति नैतिक धर्म समझना चाहिए। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी तथा वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक और व्यापार समझौता लागू होना महत्वपूर्ण क्षण : मोदी

नयी दिल्ली 15 जुलाई ठ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने को महत्वपूर्ण क्षण करार देते हुए कहा है कि इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध और अधिक मजबूत होंगे। श्री मोदी ने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के सोशल मीडिया पर इस समझौते के आज से लागू होने से संबंधित पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए बुधवार को कहा कि समझौते का लागू होना भारत ब्रिटेन साझेदारी के लिए महत्वपूर्ण क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा, यह भारत-यूनाइटेड किंगडम साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने के साथ ही हमारे आर्थिक संबंध और अधिक गहरे होने जा रहे हैं। ये दोनों ऐतिहासिक समझौते हमारी साझा महत्वाकांक्षाओं को दोनों देशों के लोगों के लिए ठोस अवसरों में बदलते हैं

उन्होंने कहा कि सीईटीए हमारे किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई के लिए नई गति लेकर आएगा। अनेक उभरते हुए क्षेत्रों को ब्रिटेन के बाज़ार तक बेहतर पहुँच मिलेगी। यह प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग को भी और सुदृढ़ करेगा, साथ ही कुशल भारतीय प्रतिभाओं की अधिक गतिशीलता को भी प्रोत्साहित करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौता ब्रिटेन में अस्थायी रूप से कार्यरत भारतीय पेशेवरों को अमूल्य सहयोग प्रदान करेगा तथा भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता को और मजबूत बनाएगा। उन्होंने कहा , यह उपलब्धि हमारे दोनों लोकतंत्रों के बीच गहरे विश्वास तथा व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश और नवाचार पर आधारित भविष्य उन्मुख साझेदारी के निर्माण के प्रति हमारे साझा संकल्प का प्रतीक है। भारत और यूनाइटेड किंगडम साझा समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर कार्य करते रहेंगे। दोनों देशों ने पिछले वर्ष यह ऐतिहासिक समझौता किया था

यह भारत-यूनाइटेड किंगडम साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने के साथ ही हमारे आर्थिक संबंध और अधिक गहरे होने जा रहे हैं।

सीआईएसएफ के डीजी ने जम्मू में अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा इंतज़ामों का लिया जायज़ा

जम्मू, 15 जुलाई। सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल प्रवीर रंजन ने बुधवार को जम्मू में चल रही अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा इंतज़ामों का जायज़ा लिया। सीआईएसएफ प्रमुख ने भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप, जॉइंट पुलिस कंट्रोल रूम (जेपीसीआर), सीसीटीवी कंट्रोल रूम और तवी रिवर फ्रंट का दौरा किया। वहां उन्होंने सुरक्षा उपायों, मेडिकल रिस्पॉन्स सिस्टम, आग से सुरक्षा की तैयारियों, लॉजिस्टिक्स और श्रद्धालुओं के लिए अन्य सुविधाओं का जायज़ा लिया। दौरे के दौरान रंजन ने सुरक्षा कर्मियों और श्रद्धालुओं से बातचीत की ज़मीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लिया और ऑपरेशनल तैयारी लगातार सतर्कता और सभी संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने बाद में एक हाई-लेवल सिक्योरिटी रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता की जिसमें सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ (सीएपीएफ), जम्मू-कश्मीर पुलिस, इंटेलिजेंस ब्यूरो, भारतीय सेना और सालाना यात्रा से जुड़ी अन्य एजेंसियों के सीनियर अधिकारी शामिल हुए।

खबर संक्षेप

पुलिस ने दक्षिण कश्मीर में ड्रग्स के दो आरोपियों की 1 करोड़ रुपये की संपत्ति ज़ब्त की

श्रीनगर 15 जुलाई । श्रीनगर दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले में पुलिस ने 100 दिन के नशा-मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के तहत 200 किलोग्राम भुक्की अफीम से बना नशीला पदार्थ की बरामदगी से जुड़े एक ड्रग्स मामले के दो आरोपियों की लगभग 1 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति ज़ब्त की है।

पुलिस के अनुसार ज़ब्त की गई संपत्तियों में कुलगाम ज़िले के कुज्जर गाँव के रहने वाले बशीर अहमद डार के बेटों जावेद अहमद डार और परवेज़ अहमद डार के दो रिहायशी घर शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि ये दोनों आरोपी एक ड्रग्स मामले में शामिल हैं जिसमें जाँच के दौरान उनके पास से 200 किलोग्राम भुक्की बरामद की गई थी। लगभग 1 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति को ज़ब्त करने की यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर में चल रहे नशा-विरोधी अभियान के तहत की गई है। यह अभियान ड्रग्स की तस्करी के खिलाफ और ड्रग्स से जुड़े अपराधों से जुड़ी संपत्तियों को खत्म करने के लिए चलाया जा रहा है।

पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और अवैध ड्रग्स व्यापार के ज़रिए बनाई गई संदिग्ध संपत्तियों को निशाना बनाने के अपने संकल्प को दोहराया।

बाबा बुड्ढा अमरनाथ यात्रा 17 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती पुंछ जिले से शुरू होगी

जम्मू, 15 जुलाई । इस वर्ष 12 दिवसीय बाबा बुड्ढा अमरनाथ यात्रा 17 अगस्त को जम्मू और कश्मीर के सीमावर्ती पुंछ जिले से शुरू होगी। यात्रा का पहला जत्था जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से पुंछ के लिए रवाना होगा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस वर्ष यात्रा 17 अगस्त से शुरू होकर 28 अगस्त को रक्षाबंधन पर समाप्त होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा बुड्ढा अमरनाथ के दर्शन करने और उन्हें नमन करने के लिए आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाएं की जा रही हैं और जिला प्रशासन भी यात्रा के सुचारू और सफल संचालन के लिए तैयारियों की समीक्षा कर रहा है।

जिला प्रशासन ने बुड्ढा अमरनाथ यात्रा के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं, जिनमें लंगर, स्वच्छता, शौचालय, वाटरप्रूफ टेंट, जल निकासी, आवास, वाहन पार्किंग, साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधाएं, पानी और बिजली की निर्बाध आपूर्ति, पब्लिक एयर सिस्टम और तीर्थयात्रा के लिए अन्य कई व्यवस्थाएं शामिल हैं। पुंछ के उपायुक्त अशोक कुमार शर्मा ने बुड्ढा अमरनाथ जी यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की थी। उपायुक्त ने आश्वासन दिया है कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी कमियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

डीजीपी प्रभात ने कार्गो का दौरा करते हुए सुरक्षा तैयारियों का लिया जायज़ा और एसओजी कर्मियों से की बातचीत

श्रीनगर, 15 जुलाई। जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने बुधवार को श्रीनगर में कार्गो कॉम्प्लेक्स का दौरा किया और वहां उन्होंने स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप की ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया। वहां तैनात जवानों से बातचीत की। डीजीपी के साथ कश्मीर ज़ोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वी.के. बिरदी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

दौरे के दौरान उन्होंने फोर्स की सुरक्षा तैयारियों, ऑपरेशनल क्षमताओं और काम करने की स्थितियों का आकलन किया। एसओजी जवानों से बातचीत करते हुए डीजीपी ने कश्मीर घाटी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन चलाने में उनके प्रोफेशनलिज्म, कमिटमेंट और लगातार प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सुरक्षा चुनौतियों से निपटने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में एसओजी की अहम भूमिका को माना।

इस दौरे में मौजूदा सुरक्षा व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा और आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन को और अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर चर्चा भी शामिल थी। डीजीपी ने उभरते सुरक्षा खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए उच्च स्तर की ऑपरेशनल तैयारी और तालमेल बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। इस मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने डीजीपी को घाटी में सुरक्षा की मौजूदा स्थिति चल रहे ऑपरेशन और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए पुलिस फोर्स की तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

मुख्य सचिव ने नए श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा की

*जम्मू-कश्मीर श्रम सुधारों की दिशा में तेजी से बढ़ा, चार नई श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

श्रीनगर, 15 जुलाई। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज भारत सरकार द्वारा लागू की गई चार नई श्रम संहिताओं लेबर कोड्स के क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा के लिए श्रम एवं रोजगार विभाग की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सचिव श्रम एवं रोजगार, आयुक्त सचिव विधि, **महानिदेशक कोड्स, **श्रम आयुक्त** तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान श्रम एवं रोजगार विभाग ने विस्तृत प्रस्तुति देते हुए नियम निर्माण की स्थिति, संस्थागत तैयारियों, डिजिटल एकीकरण, जन-जागरूकता अभियानों तथा जम्मू-कश्मीर में नई श्रम व्यवस्था को लागू करने की कार्ययोजना की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने कहा कि नई श्रम संहिताएं श्रमिकों के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने, औद्योगिक सौहार्द बढ़ाने और कारोबार करने में सुगमता सुनिश्चित करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी सुधार हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इनका प्रभावी क्रियान्वयन समावेशी आर्थिक विकास, रोजगार के औपचारिककरण, बेहतर कार्य परिस्थितियों तथा पारदर्शी श्रम प्रशासन को बढ़ावा देगा। मुख्य सचिव ने श्रम एवं रोजगार विभाग द्वारा श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए शेष प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए।

आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, गोली-बारूद बरामद

पुंछ, 15 जुलाई । सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर ने संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान पुंछ ज़िले की मंडी तहसील के सावजियन सेक्टर के गढ़ाह इलाके में

आतंकियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और गोली-बारूद बरामद किया। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने छुपाकर रखे गए पिका राइफल के 246 राउंड बरामद किए। इसके बाद ठिकाने को नष्ट करते हुए गोली-बारूद जब्त कर लिया गया। यह अभियान खास खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया गया।

प्रदर्शन की इजाजत न मिलने पर भी 19 जुलाई को दिल्ली जाएंगे : सीएम उमर

श्रीनगर, 15 जुलाई । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि अगर जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन के लिए इजाज़त नहीं भी मिलती है तो भी नेशनल कॉन्फ्रेंस 19 जुलाई को नई दिल्ली के लिए रवाना होगी।

श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के छीने गए अधिकारों को बहाल करने के मुद्दे पर पार्टी का रुख़ अडिग है। उमर ने कहा कि हमारे कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा। डॉ. मुस्तफ़ा कमाल भी यही चाहते थे कि हमारे छीने गए अधिकार बहाल हों। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अपने तय राजनीतिक कार्यक्रमों को जारी रखने का फ़ैसला तब भी किया था जब 11 जुलाई को डॉ. कमाल की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्होंने कहा कि तब डॉक्टरों ने हमें बताया था कि शायद वे बच न पाएं। उस समय भी नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फ़ारूक़ अब्दुल्ला ने हमें निर्देश दिया था कि चाहे कुछ भी हो हमें 12 जुलाई को जम्मू वाला कार्यक्रम जारी रखना है। अगर हमने वह कार्यक्रम रद्द नहीं किया तो 20 जुलाई का प्रदर्शन रद्द करने का तो सवाल ही नहीं उठता। उमर ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेताओं को पहले ही बता दिया है कि अगर प्रदर्शन के लिए इजाज़त नहीं मिलती है तब भी 19 जुलाई को नई दिल्ली के लिए निकलना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सब्र से काम लेगी और साथ ही वैकल्पिक योजनाएं भी तैयार रखेगी। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि सब्र कैसे रखना है। हम इंतज़ार करेंगे लेकिन अपनी वैकल्पिक योजना भी तैयार रखेंगे।

उपराज्यपाल ने अमरनाथ यात्रा के लिए मौजूदा सुविधाओं और सेवाओं का जायजा लिया

जम्मू, 15 जुलाई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को जम्मू में भगवती नगर यात्री निवास का दौरा किया और चल रही अमरनाथ यात्रा के लिए मौजूद सुविधाओं और सेवाओं का जायजा लिया। उपराज्यपाल ने जम्मू कश्मीर पुलिस, सेना, सुरक्षाबलों, श्राइन बोर्ड और सिविल प्रशासन के अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने उनकी कड़ी मेहनत की सराहना की और उनसे हर यात्री के साथ एक दिव्य अतिथि जैसा व्यवहार करने का आग्रह किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि पवित्र यात्रा के मात्र 12 दिनों में ही 3 लाख का आंकड़ा पार कर लेने के बाद तीर्थयात्रियों के लिए एक सुचारू और परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपराज्यपाल ने बाबा बर्फानी के सभी भक्तों के लिए त्रुटिहीन पंजीकरण, आरामदायक आवास और सुचारू यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने जम्मू को प्रदर्शित करने पर भी जोर दिया और अधिकारियों को जम्मू संभाग के प्रमुख आध्यात्मिक और पर्यटन स्थलों के लिए दर्शनीय स्थलों की यात्रा आयोजित करने का निर्देश दिया साथ ही स्थानीय हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने को कहा।

सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ पहली बार पहुंचे पूर्वी सीमा पर, देखी ऑपरेशनल तैयारी

- ईस्टर्न कमांड में तैनात जवानों से मुलाकात में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी ली

नई दिल्ली, 15 जुलाई । सेनाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार जनरल धीरज सेठ ने पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में चीन और अन्य सीमाओं की सुरक्षा करने वाली सेना की ईस्टर्न कमांड का दौरा किया है। दो दिन के दौरे में उन्होंने मौजूदा सुरक्षा स्थिति और फॉर्मेशन की ऑपरेशनल तैयारियों का आकलन किया। सेना प्रमुख ने अंदरूनी इलाकों में तैनात जवानों से मिलकर लड़ाई की तैयारियों को देखा। उन्होंने बुधवार को त्रिशक्ति कोर के हेडक्वार्टर और ट्रिनिटी एरिया का दौरा किया और सुरक्षा की स्थिति और ऑपरेशनल तैयारियों का रिव्यू किया। त्रिशक्ति कोर के दौरे के दौरान उन्हें ऑपरेशनल स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। त्रिशक्ति कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने उन्हें ऑपरेशनल डिप्लॉयमेंट, सर्विलांस आर्किटेक्चर और मौजूदा सुरक्षा डायनामिक्स के बारे में बताया। जनरल धीरज सेठ ने टेक्नोलॉजी एब्जॉर्प्शन, क्षमता बढ़ाने और फोर्स मॉडर्नाइजेशन से जुड़ी पहलों का भी रिव्यू किया। उन्होंने आज ही बेंगडुबी मिलिट्री स्टेशन का भी दौरा किया, जहां उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्थाओं का आकलन किया और ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स की समीक्षा की। इसके बाद जनरल धीरज सेठ ने स्पीयर कोर का दौरा किया और इसकी ऑपरेशनल तैयारियों का मूल्यांकन किया। उन्हें बदलते ऑपरेशनल माहौल, इंटर-एजेंसी कोऑर्डिनेशन और लड़ाई की तैयारी को और बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने नॉर्थ ईस्ट में शांति, स्थिरता और विकास को बढ़ावा देने के मकसद से कम्युनिटी आउटरीच पहलों का भी रिव्यू किया। कमांडरों और सैनिकों से बातचीत करते हुए सेना प्रमुख ने अपने विजन के बारे में बताया, जो सतर्कता, इनोवेशन, जॉइंटनेस, आत्मनिर्भरता और योद्धा फर्स्ट पर आधारित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये सिद्धांत भारतीय सेना को फुर्तीला, अनुकूल और भविष्य के लिए तैयार रहने में मदद करेंगे। साथ ही विकसित भारत विजन-2047 में भी योगदान देंगे।

उर्वरक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नयी दिल्ली, 15 जुलाई । पश्चिम एशिया संकट के कारण उर्वरक की आपूर्ति में आयी रूकावट के मद्देनजर सरकार ने इस क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति 2026 को मंजूरी दी है जिसमें देश भर में नये यूरिया संयंत्र लगाये जायेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई आर्थिक मामलों की केन्द्रीय मंत्रिमंडल की समिति ने उर्वरक विभाग के इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस नीति के अमल में आने के बाद देश उर्वरक के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढेगा। उन्होंने कहा कि इस नीति के तहत नये संयंत्र लगाने के लिए सरकारी , सहकारी और निजी तीनों क्षेत्रों से प्रस्ताव मिले हैं। श्री वैष्णव ने कहा कि अभी देश में चार करोड़ टन यूरिया की खपत होती है जिसमें से एक करोड टन का आयात किया जाता है। उन्होंने कहा कि नयी नीति के पूरी तरह अमल में आने के बाद यूरिया आयात करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। नयी नीति देश भर में गैस-आधारित यूरिया संयंत्र स्थापित करने के लिए यूरिया क्षेत्र में नए निवेश को बढ़ावा देगी। इससे आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

नयी नीति में 2012 की निवेश नीति की तुलना में तीन प्रमुख बदलाव किये गये हैं। पहले बदलाव में ज़्यादा पारदर्शिता के लिए स्थिर और अचल लागतों को अलग करना, दूसरा 12 प्रतिशत की न्यूनतम और 16 प्रतिशत की अधिकतम सीमा के साथ रिटर्न ऑन इक्विटी का एक व्यावहारिक बैंड शुरू करना और तीसरा मौजूदा विनिमय दर के आधार पर चार वर्ष बाद स्थिर लागत को भारतीय मुद्रा में बदलकर विदेशी मुद्रा जोखिम को कम करना है। अनुमान है कि इन उपायों से 2012 की निवेश नीति की तुलना में 2026 की राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति के तहत स्थापित प्रत्येक प्लांट के लिए 250 करोड़ रुपये से अधिक की बचत होगी। यूरिया निवेश नीति के अंतर्गत ही नये संयंत्रों की स्थापना की जाएगी। उर्वरक विभाग ने यूरिया क्षेत्र में नए निवेश आकर्षित करने के लिए 2012 में कायाकल्प, विस्तार, पुनरुद्धार, ब्राउनफील्ड और ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए निवेश नीति को अंतिम रूप दिया था। नई निवेश नीति 2012 के तहत, कुल छह नये यूरिया संयंत्र स्थापित किये गये थे जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के चार और निजी कंपनियों के दो संयंत्र शामिल हैं। वर्ष 2012 की नीति के तहत नए निवेश की अवधि अक्टूबर 2019 में समाप्त हो गई थी।

क्या आप हैं आइडियल वेट

छरहरी काया किसे पसंद नहीं होती। जहां भी जाएं, सभी आपकी फिटनेस की तारीफ करें। युवक हो या युवती सभी परफेक्ट बॉडी शेप के लिए चिंतित रहते हैं। फिटनेस को लेकर चिंता तो रहती है, लेकिन उस ओर कदम कुछ ही लोग उठाते हैं।

क्या हो आपका बीएमआई

- हेल्दी वजन- 18 से 22.9
- ओवरवेट - 23 से 23.9 या इससे ज्यादा है।
- (बॉडी बिल्डर्स और बुजुर्गों के लिए बीएमआई का यह मानक मान्य नहीं है।)

अपने वजन को लेकर हम अक्सर चिंतित तो रहते हैं, लेकिन हममें से कितने लोग होंगे, जिन्हें अपने 'आइडियल बॉडी वेट' या यूं कहें कि आदर्श शारीरिक वजन की जानकारी होगी! बहुत ही कम लोगों को, है न! क्या आप जानते हैं कि इसकी एक सबसे बड़ी वजह यह है कि न तो हम जिम जाते हैं और न ही किसी डाइटीशियन के पास। इसलिए 'आइडियल बॉडी वेट' कितना होना चाहिए, कभी जान ही नहीं पाते। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई और वेस्ट साइज यानी कमर की माप के जरिए आप आसानी से यह पता लगा सकेंगे कि आप 'आइडियल वेट' हैं या नहीं या आप किसी भी तरह के स्वास्थ्य संबंधी खतरे से तो नहीं जूझ रहे हैं!

क्यों है जरूरी

ओवरऑल बॉडी मास की तुलना में आपके बॉडी फैट की मात्रा का सही होना, जो अत्यधिक वजन की वजह से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी कई खतरों को कम करने में मदद करता है। इससे समय से पहले उम्र की रेखाओं को आने से रोका भी जा सकता है और लाइफ स्टाइल क्वालिटी को बढ़ाने में मदद भी मिलती है। दूसरी ओर, ओवरवेट यानी मोटा-ताजा होना कई बीमारियों और बीमारियों की संभावना को बढ़ाता है। भारतीय शहरों के लगभग 65 प्रतिशत युवा आज या तो ओवरवेट हैं, स्थूलकाय हैं या फिर मोटापे से परेशान हैं। वे या तो हार्ट डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर, टाइप टू डायबिटीज, ऑस्टियोऑर्थराइटिस यानी अत्यधिक वजन की वजह से जोड़ों की समस्या, कुछ खास तरह के कैंसर, सांस लेने से जुड़ी परेशानियों से पीड़ित हैं या फिर इन बीमारियों से पीड़ित होने के कगार पर हैं।

बॉडी पर ध्यान दें

बॉडी फैट का विश्लेषण बॉडी फैट मापने का बेहतर माध्यम कहा जा सकता है। बहुत से प्रशिक्षक इसे मापने के लिए केवल कमर की माप लेने के बजाय कमर और हिप का अनुपात देखना प्रेफर करते हैं। फिटनेस एक्सपर्ट के अनुसार, भारतीय महिलाओं की कमर पतली और हिप चौड़ी होती है, इसलिए केवल कमर की माप देखने के बजाय वेस्ट और हिप का अनुपात देखना बेहतर होता है। वेस्ट और हिप का अनुपात शारीरिक बनावट को ध्यान में रखते हुए उसका आदर्श वजन बताने में मदद करता है। अत्यधिक वजन की वजह से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड शुगर, हाई एलडीएल (लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन) जैसी स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं के बढ़ने का खतरा रहता है। इनसे बचने के लिए काफी हद तक आप खुद भी बीएमआई और वेस्ट साइज देखकर अपने बढ़ते वजन के बारे में पता कर सकते हैं।

ट्रांसफर हो सकता है मोटापा

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार, मोटापा एक ऐसी बीमारी है, जो एक से दूसरे में ट्रांसफर भी हो सकती है। यदि आपका दोस्त मोटा है तो आपके भी मोटे होने की आशंका 57 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। ऐसा विवाहित जोड़ियों या सगे भाई-बहनों के साथ भी हो सकता है, क्योंकि काफी हद तक वे एक-दूसरे से जुड़े होते हैं।

आप हेल्दी वेट हैं या नहीं

किसी भी वयस्क की लंबाई और वजन को ध्यान में रखकर उसके सही बॉडी वेट या फैट को तय करना ही बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई कहलाता है। अपना बीएमआई जानने के लिए आप अपने वजन को किलोग्राम में और लंबाई को मीटर में माप लें। अब लंबाई की माप को वर्ग कर लें यानी उस लंबाई में उतने से ही गुणा कर दें। अब वजन में अंतिम रूप से प्राप्त लंबाई से भाग दे दें। मान लें कि आपका वजन 70 किलोग्राम है और आपकी लंबाई 1.6 मीटर है। तो बीएमआई निकालने के लिए सबसे पहले लम्बाई का वर्ग कर लें यानी 1.6 में 1.6 से गुणा कर लें जो 2.56 होगा। अब वजन यानी 70 में 2.56 से भाग दे दें। प्राप्त परिणाम होगा 27.35, जो आपका बीएमआई कहलाएगा। अगर आपका वजन 60 किलोग्राम है और वजन 1.6 मीटर तो आपका बीएमआई 60 में 2.56 से भाग देने से निकलेगा। यह 23.43 होगा। बीएमआई पर नजर रखकर आप अपने वजन पर खुद भी नियंत्रण रख सकते हैं। यदि आप ओवरवेट हैं या फिर मोटापे के शिकार हैं तो पहले खुद को और मोटे होने से रोकें। तभी बाद में आप अपना वजन कम करने पर ध्यान दे पाएंगे। यदि आपकी बीएमआई रेंज हेल्दी है तो अच्छी डाइट और एक्सरसाइज प्लान के जरिए बाद में आप अपना वजन बढ़ा भी सकते हैं।

वेस्ट साइज

यदि आपका बीएमआई आपको हेल्दी वेट वाला बताता है तो आपके कमर की माप लेना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह खासतौर से भारतीयों पर लागू होता है, क्योंकि भारतीयों की कमर चौड़ी होती है। यदि आप महिला हैं और आपका वेस्ट साइज 80 से.मी. से ज्यादा है या आप पुरुष हैं और आपका वेस्ट साइज 90 से.मी. से ज्यादा है तो आपके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त होने की आशंका प्रबल है और आपके हार्ट डिजीज, टाइप टू डायबिटीज, ब्रेस्ट कैंसर से ग्रस्त होने और प्री-मैच्योर डेथ की अधिक आशंका है। ध्यान रखें कि पुरुषों के कमर के आसपास और महिलाओं के लोअर बॉडी में फैट बढ़ने की संभावना अधिक रहती है।

वेस्ट साइज मापने का सही तरीका

सीधे खड़े होकर टेप से आप हिप बोन्स के ठीक ऊपर का हिस्सा मापें। ऐसा सांस छोड़ने के तुरंत बाद करें। यदि आपका बीएमआई या कमर की गोलाई हेल्दी लिमिट्स को पार कर रही हो तो अत्यधिक वजन की वजह से होने वाली बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप वजन कम करने की योजना बनाएं।

सीने के दर्द को न करें दरकिनार

सीने का दर्द एंजाइना के शुरुआती लक्षणों में से एक है, जो आगे चलकर दिल का मरीज बना सकता है। इसे महिलाओं के लिए साइलेंट किलर कहा जाता है।

आशा 54 वर्ष की उम्र में भी बेहद नियमित और सक्रिय रहने वाली महिला रही है। थोड़ी बहुत शारीरिक परेशानी के नाम पर उन्हें कभी-कभार चेस्ट पेन की शिकायत होती थी। लेकिन इसे वह ज्यादा तवज्जो नहीं देती थीं। एक रोज अचानक जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा तो किसी को यकीन नहीं हुआ कि बेहद नियमित दिनचर्या वाली आशा को भी ऐसी परेशानी हो सकती है। दिल का दौरा पड़ने के बाद समय पर उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाने से उनकी जान तो बच गई, लेकिन तमाम जांच-पड़ताल के बाद डॉक्टरों ने जो बताया, वह चौंकाने वाला था। डॉक्टरों का कहना था कि आशा को दिल का दौरा यूं ही अचानक नहीं पड़ा। समय-समय पर उनके सीने में होने वाला हल्का दर्द ही इस बात का संकेत दे रहा था कि उनका दिल बीमार है और उसे दवा और देखरेख की जरूरत है। लेकिन राधा ने उस दर्द पर ध्यान न देकर खुद को हृदय रोगी बना लिया। आमतौर पर महिलाएं सीने में उठने वाले हल्के दर्द पर ध्यान नहीं देती हैं, जो आगे जाकर बड़ी समस्या का रूप ले लेता है। आमतौर पर सीने में होने वाले इस दर्द को 'एंजाइना' कहा जाता है, जिसे मेडिकल लैंग्वेज में एंजाइना पेक्टोरिस के नाम से जाना जाता है।

खून की कमी

'एंजाइना की समस्या तब होती है, जब कोरोनरी डिजीज के चलते हार्ट तक पहुंचने वाले रक्त की मात्रा कम होती जाती है। हार्ट को ऑक्सीजन की कमी महसूस होने लगती है, जो दर्द के रूप में सामने आती है। एंजाइना कोई बीमारी नहीं है, बल्कि यह हार्ट से जुड़ी समस्या बन आप पर हावी होने का संकेत देती है। कभी एंजाइना का दर्द सीने के अलावा एक तरफ की बांह, कंधे, जबड़ों, गर्दन और कमर में भी होता है।' ऐसे में एंजाइना को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि एंजाइना से आमतौर पर पुरुष ही प्रभावित होते हैं, लेकिन अध्ययन बताते हैं कि अधिकतर महिलाओं को अगर हार्टअटैक की समस्या होती है तो इसकी एक बड़ी वजह एंजाइना ही होता है। एंजाइना के चलते मरीज को सीने में होने वाला दर्द, अजीब-सा भारीपन, सांस लेने में ज्यादा दबाव डालना आदि संकेत मिलते हैं। कभी-कभी एंजाइना से पीड़ित महिला को भूख न लगना, लगातार पसीना निकलना और कंपकंपी की शिकायत भी होती है।

स्टेबल एंजाइना की परेशानी

'महिलाओं में आमतौर पर स्टेबल एंजाइना की परेशानी ही ज्यादा देखने को मिलती है, जो थोड़ी देर आराम करने के बाद नियंत्रित हो जाती है। इसी कारण महिलाएं इस समस्या को ज्यादा तवज्जो नहीं देती हैं। अगर एंजाइना को शुरुआती लक्षणों के दौरान भांप लिया जाए तो दवाओं से इसे नियंत्रित किया जा सकता है और हार्ट से जुड़े खतरे को टाला जा सकता है।'

गुस्से को कहिए बाय-बाय

गुस्सा आएगा तो स्वाभाविक है कि वह किसी न किसी तरह बाहर भी निकलेगा। कई बार हम गुस्से को गलत तरीके से भी बाहर निकालते हैं और हम अपना ही नुकसान कर बैठते हैं, लेकिन कुछ समझ-बूझ और संयम से भी गुस्से को बढ़ने से रोका जा सकता है।

जब गुस्सा आता है तो दिल करता है आसपास तोड़-फोड़ कर दूं। जोर से चीखूं, चिल्लाऊं। गुस्सा आने पर हमारी स्थिति कुछ ऐसी ही होती है। बिना सोचे-समझे कोई भी कदम उठा लेते हैं। गुस्से को कैसे कम किया जाए और गुस्सा आने पर खुद को कैसे संभालें। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार कई महत्वपूर्ण बातें हैं, जिनसे गुस्से को काबू किया जा सकता है।

गलती का एहसास

गुस्से पर नियंत्रण के लिए आवश्यक है सबसे पहले एहसास होना कि हम कुछ गलत कर रहे हैं और गुस्सा खत्म करने की इच्छा हो। अगर गलत करने का पछतावा ही नहीं होगा तो उसे सुधारने की इच्छा कैसे जागेगी। तो इस गुस्से की समस्या पर पहले ही जीत क्यों न हासिल करें।

वजह को समझो: जॉब छूटने पर, कैरियर में असफल होने पर या किसी निजी परेशानी या अन्य कारणों से तनाव बढ़ने से स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। तो ऐसे में गुस्से की वजह को जानने की कोशिश करें। जानें कि क्यों आपके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आ रहा है। कारणों को समझकर उसे हल करने का प्रयास करें।

बात करें: कई बार दोस्तों, पति-पत्नी या परिवार के बीच कुछ गलतफहमियां या टकराव हो जाता है, जो गुस्से का कारण बनता है। ऐसे में बात करके गिले-शिकवे दूर करें। बात करने से आपसी गलतफहमी भी दूर होगी और सब सामान्य हो जाएगा।

परिस्थितियों को स्वीकारें: कई बार ऐसी स्थितियां होती हैं, जिनसे न हम आगे बढ़ पाते हैं और न उन्हें बदल सकते हैं। ऐसे में धीरे-धीरे मन में खीझ उत्पन्न होने लगती है। इसलिए आवश्यक है कि उन परिस्थितियों को स्वीकार किया जाए। उनसे भागने और परेशान होने की बजाए कारणों को स्वीकारें और जिंदगी में आगे बढ़ें।

भागादौड़ी से बचें: रोडवेज की कितनी ही घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। गुस्से के भयानक परिणाम ऐसी घटनाओं में नजर आते हैं। अक्सर होता ये है कि हम जल्दी में घर से निकलते हैं। रास्ते में जाम लगने या किसी गाड़ी या पैदल यात्री के कारण जरा सा भी लेट हो जाएं तो चिंता बढ़ जाती है, जो गुस्से के रूप में बाहर निकलती है। इसलिए जहां भी जाएं, थोड़ा जल्दी घर से निकलें।

बेहतर है कहीं जाना: गुस्सा रोकने के लिए आवश्यक है कि ध्यान कहीं और लगाएं। जब गुस्सा आ रहा हो तो उस जगह से चले जाएं। वहां रहेंगे तो गुस्सा और बढ़ेगा। वहां से चले जाने पर ध्यान झगड़े से हट जाएगा।

गहरी सांस लें

गुस्से के वक्त कहीं दूर जाकर लंबी गहरी सांसें लें। शरीर में सांस के अंदर-बाहर जाने की प्रक्रिया को महसूस करें। इससे आपका ध्यान गुस्से से हटकर सांस लेने पर चला जाएगा, जिससे गुस्सा कम हो जाएगा। इसके अलावा 1 से लेकर 10 तक गिनती भी गिन सकते हैं।

ऊर्जा का उचित उपयोग: गुस्सा आने पर शरीर में हार्मोन्स में कई बदलाव होते हैं, जिनसे शरीर लड़ने के लिए एकदम तैयार हो जाता है। उस समय शरीर में उत्पन्न ऊर्जा को लड़ाई में न लगाकर किसी अन्य काम में लगाएं। जैसे घूमने निकलें, व्यायाम करें, डांस करें, बास्केट बॉल या घर पर बॉक्सिंग करें, या कुछ अन्य काम। इससे ऊर्जा इन कामों के जरिए बाहर निकल आएगी और गुस्सा अपने आप कम हो जाएगा।

बात न करें: गुस्सा आने पर कोशिश करें कि किसी से भी बात न हो। भीड़-भाड़ वाली जगह पर न जाएं। इससे आपका गुस्सा कुछ समय बाद अपने आप समाप्त हो जाएगा।

परिणामों पर सोचें: गुस्से में कोई कदम उठाने के बाद उसके परिणाम भी भुगतने पड़ जाते हैं। इसलिए गुस्से में कुछ करने से पहले बाद में होने वाले परिणामों के बारे में सोचने की कोशिश करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरुद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

डीसी ने डूंगी में ब्लॉक दिवस की अध्यक्षता की

राजौरी, 15 जुलाई। उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा ने आज साप्ताहिक ब्लॉक दिवस पहल के तहत ब्लॉक डूंगी में आयोजित जन शिकायत एवं जनसंपर्क शिविर की अध्यक्षता की। जन संवाद के दौरान लोगों ने सड़क संपर्क एवं निर्माण, शिक्षा और विद्यालयों में स्टाफ की कमी, डूंगी को प्रशासनिक दर्जा देने, सीमावर्ती क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे के विकास, पर्यटन को बढ़ावा देने, पेयजल आपूर्ति, कॉलेज के बुनियादी ढांचे के विकास तथा मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी से संबंधित अनेक विकासात्मक मांगें उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और लोगों को आश्वस्त किया कि सभी वास्तविक शिकायतों का चरणबद्ध एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मामलों पर तत्काल कार्रवाई करने तथा प्रगति की नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ब्लॉक दिवस आम जनता तक प्रशासन की पहुंच मजबूत करने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच बनकर उभरा है। उपायुक्त ने विशेष रूप से युवाओं से नशा मुक्ति अभियान और क्षय रोग (टीबी) के खिलाफ चल रही मुहिम में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने जिले में उपलब्ध उपचार और पुनर्वास सुविधाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने कृषि विभाग को टिकाऊ एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को लंबित आधारभूत ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने, क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं का बेहतर उपयोग करने तथा प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से क्षेत्रीय दौरे करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त मलिक ज़ादा शेराज़-उल-हक, परियोजना अधिकारी आईसीडीएस हरपाल सिंह, सहायक आयुक्त पंचायत मोहम्मद रफीक, उप निदेशक रोजगार मोहम्मद नवाज़ चौधरी, सहायक आयुक्त विकास औकिल नवेद, जिला समाज कल्याण अधिकारी अब्दुल रहीम, मुख्य कृषि अधिकारी राजेश वर्मा, मुख्य पशुपालन अधिकारी डॉ. खालिद नजीब सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं सेक्टर स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 3% की बोनस योजना 31 मार्च 2027 तक बढ़ी

जम्मू, 15 जुलाई।

भारतीय रेल में यात्रियों को डिजिटल माध्यम से टिकट बुकिंग के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेलवे द्वारा RailOne ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर दी जा रही 3% लाभ योजना को अब 31 मार्च 2027 तक बढ़ा दिया गया है। इस निर्णय से नियमित यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और डिजिटल लेनदेन को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस लाभकारी योजना के अनुसार, आर-वॉलेट को छोड़कर रेलवन ऐप पर UPI, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग सहित सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को किराए में 3% की तत्काल छूट प्रदान की जाएगी। वहीं अगर आर-वॉलेट के माध्यम से भी टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3न्न कैशबैक बोनस दिया जाएगा। आर-वॉलेट पर बोनस देने की यह व्यवस्था 24 अगस्त 2028 तक पहले से ही लागू है, वर्तमान में इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

इस योजना से यात्रियों को कई लाभ होंगे। सबसे पहले यात्रियों को हर टिकट पर 3न्न की बचत होगी, जिससे नियमित यात्रियों का खर्च कम होगा। दूसरा, यात्री काउंटर की लाइन में लगे बिना घर बैठे या चलते-फिरते कुछ ही सेकंड में टिकट बुक कर सकेंगे जिससे समय की बचत होगी। तीसरा, टिकट मोबाइल में ही उपलब्ध होने के कारण यह पूरी तरह पेपरलेस होगी और कागज का टिकट संभालने की आवश्यकता नहीं रहेगी। साथ ही इस पहल से रेलवे स्टेशनों पर काउंटरों की भीड़ कम होगी और यात्रियों को त्वरित सेवा मिल सकेगी।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल ने कहा, द्दरेलवे का उद्देश्य यात्रियों को तेज, सुरक्षित और किफायती यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है। रेलवन ऐप के माध्यम से 3न्न छूट/बोनस योजना को बढ़ाने से न केवल यात्रियों को आर्थिक लाभ होगा, बल्कि डिजिटल इंडिया के तहत पेपरलेस और कैशलेस टिकटिंग को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मैं सभी यात्रियों से अपील करता हूं कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। जम्मू मंडल यात्रियों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

रेल प्रशासन ने सभी यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे रेलवन ऐप डाउनलोड कर इस योजना का लाभ उठाएं और अपनी यात्रा को अधिक सुविधाजनक, तेज एवं किफायती बनाएं।

जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 4, 5, 6 एवं 7 यात्री एवं ट्रेनों के संचालन हेतु खोले गए

जम्मू, 15 जुलाई । यात्रियों की सुविधा और जम्मू तवी स्टेशन पर बढ़ते रेल यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल द्वारा स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के अंतर्गत निर्मित नए प्लेटफॉर्म संख्या 6 एवं 7 को सभी ट्रेनों के संचालन हेतु खोल दिया गया है।

इसके साथ ही प्लेटफॉर्म संख्या 4 एवं 5 भी पूर्ण रूप से चालू कर दिए गए हैं। परिणामस्वरूप ट्रेन संख्या 12413 जो नव-निर्मित प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर रोकी गई। इस अवसर पर स्टेशन पर यात्रियों में विशेष उत्साह देखा गया।

प्लेटफॉर्म 6 और 7 के शुरू होने से जम्मू तवी स्टेशन पर एक साथ अधिक ट्रेनों के ठहराव एवं परिचालन की क्षमता बढ़ गई है। इससे ट्रेनों की आवाजाही सुगम होगी, ठहराव का समय कम होगा और यात्रियों को भीड़-भाड़ से राहत मिलेगी।

प्लेटफॉर्म 4 और 5 के पुनः संचालन में आने से स्टेशन पर कुल 7 प्लेटफॉर्म अब सक्रिय हो गए हैं।नए प्लेटफॉर्मों के शुरू होने से जम्मू-कश्मीर आने-जाने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। जम्मू मंडल यात्रियों से अनुरोध करता हैं, कि वे ट्रेनों की समय-सारिणी और प्लेटफॉर्म की जानकारी स्टेशन उद्घोषणा एवं डिस्प्ले बोर्ड से अवश्य देखें।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे नए प्लेटफॉर्मों तक पहुंचने के लिए बने फुट ओवर ब्रिज और साइनेज का उपयोग करें तथा रेलकर्मियों के निर्देशों का पालन करें।

अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर पालिका और रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं के बीच विवाद

जम्मू,, 15 जुलाई (हि.स.)। अखनूर में नगर पालिका द्वारा चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं और प्रशासन के बीच विवाद गहरा गया।

कार्रवाई के दौरान सड़क पर कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया, जबकि बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर एकत्र हो गए स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाने का अभियान निष्पक्ष और समान रूप से चलाया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि केवल गरीब रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं को निशाना बनाना उचित नहीं है, जबकि अन्य अतिक्रमणों पर भी समान कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रशासन से मांग की कि कानून का पालन सभी पर एक समान तरीके से किया जाए और किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव न हो। उन्होंने कहा कि रेहड़ी-फड़ी लगाकर कई परिवार अपनी आजीविका चलाते हैं, इसलिए कार्रवाई करते समय उनके रोजगार का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

बसोहली में ब्लॉक दिवस-डीसी कठुआ ने सुनीं जनसमस्याएं

कठुआ, 15 जुलाई (हि.स.)। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने बसोहली के प्रेथा में साप्ताहिक ब्लॉक दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लोगों की शिकायतें सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और पूर्व जनप्रतिनिधियों ने पीएचई व पीडीडी में स्टाफ की कमी, बहाली कार्यों के लंबित भुगतान, पीएचसी व हायर सेकेंडरी स्कूल के उन्नयन, एंबुलेंस सुविधा, महानपुर-बसोहली सड़क की मरम्मत, बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों के मुआवजे और प्रेथा में नायब तहसील स्थापित करने की मांग उठाई। डीसी ने आश्वासन दिया कि सभी जायज मांगों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित घरों के वास्तविक मामलों को वित्तीय सहायता के लिए स्वीकृति दी जा चुकी है। डीसी ने क्षेत्र को नशा मुक्त बनाए रखने पर लोगों की सराहना की और नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान को आगे बढ़ाने की अपील की। साथ ही उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय पोर्टल पर समय पर पंजीकृत न होने वाले पुराने हथियार लाइसेंस अब मान्य नहीं हैं और पात्र लोग नए सिरे से ऑनलाइन आवेदन करें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों ने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जबकि मिशन युवा के तहत स्वरोजगार के अवसरों और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया।

उत्तर रेलवे

सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर, भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी ओर से, नीचे दिए गए कार्य हेतु ATVM फैसिलिटेटर्स की नियुक्ति के लिए निर्धारित प्रारूप पर सिंगल पैकेट' आवेदन आमंत्रित करते हैं:–

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुबंध की अवधि	निविदा प्रपत्र की लागत	निविदा जमा करने की तिथि
1	कार्य की प्रकृतिः फिरोजपुर मंडल के 20 रेलवे स्टेशनों पर स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फैसिलिटेटर्स की नियुक्ति के लिए एप्लीकेशन।	शुरुआत में, फैसिलिटेटर को काम शुरू होने की तारीख से दो साल के लिए रखा जाएगा।	निःशुल्क	दिनांक 05.08.2026 (बुधवार) को 15:00 बजे तक

महत्वपूर्ण तिथियाँ:

आवेदन जारी होने की तिथि	दिनांक 14.07.2026 (मंगलवार)
आवेदन प्रपत्र जमा करने की तिथि एवं समय	05.08.2026 (बुधवार) को 15:00 बजे तक
आवेदन बॉक्स बंद होने की तिथि एवं समय	दिनांक 05.08.2026 (बुधवार) को 15:00 बजे तक
आवेदन खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 05.08.2026 (बुधवार) को 15:30 बजे तक
कार्यालय का पता और वह तारीख, जब से आवेदन दस्तावेज उपलब्धता	आवेदन कार्यालय वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वाणिज्य शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर छावनी–152001 के कार्यालय में दिनांक 15.07.2026 से 05.08.2026 को 10:00 बजे से 13:00 बजे तक, कार्य दिवसों में कार्यालय समय के दौरान उपलब्ध रहेगा।

आवेदन पत्र और शर्तों/नियमों सहित अन्य संबंधित जानकारी के लिए जारी सूचना, उत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर भी उपलब्ध है और इसे दिनांक 14.07.2026 (मंगलवार) को 13:00 बजे से डाउनलोड किया जा सकता है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **2438/26**

कठुआ क्रिकेट लीग-जेकेसीसीए व जीडीसी कठुआ 11 की शानदार जीत

कठुआ, 15 जुलाई (हि.स.)। स्पोर्ट्स ग्राउंड गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कठुआ में चल रही कठुआ क्रिकेट लीग में बुधवार को खेले गए दो मुकाबलों में जेकेसीसीए और जीडीसी कठुआ 11 ने जीत दर्ज की। टूर्नामेंट का आयोजन जिला प्रशासन कठुआ द्वारा फ़युवा खेलों के लिए, नशे के खिलाफफ़ थीम पर किया जा रहा है।

पहले मैच में जेकेसीसीए ने यंग गन 11 को 13 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जेकेसीसीए ने 20 ओवर में 155/7 बनाए। ऋषव सिंह ने 55 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में यंग गन 11 142/8 ही बना सकी। शरण और मोहित ने दो-दो विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई। दूसरे मैच में जीडीसी कठुआ 11 ने द विलेज अंडर डॉग को 80 रन से करारी शिकस्त दी। जीडीसी कठुआ 11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175/6 का स्कोर खड़ा किया जिसमें विवेक ने नाबाद 68 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए विपक्षी टीम 95 रन पर सिमट गई। निर्मल ने तीन विकेट झटके। विवेक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पुलिस ने नगरोटा में गो-तस्करी की कोशिश नाकाम कर 24 गोवंशीय पशु बचाए

जम्मू,, 15 जुलाई (हि.स.)। ऑपरेशन कामधेनु के तहत गो-तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नगरोटा थाना क्षेत्र के बन टोल प्लाजा पर 24 गोवंशीय पशुओं को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। पुलिस ने इस दौरान एक ट्रक भी जब्त कर लिया जबकि चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार बन टोल प्लाजा पर नाका जांच के दौरान पुलिस ने ट्रक को रोका। तलाशी के दौरान ट्रक में 24 गोवंशीय पशुओं को बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति और अमानवीय तरीके से ले जाया जा रहा था। पुलिस ने सभी पशुओं को सुरक्षित छुड़ाकर ट्रक को जब्त कर लिया।

इस संबंध में थाना नगरोटा में एफआईआर संख्या 177/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस जांच जारी है।

जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने दोहराया कि गो-तस्करी के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी और ऐसे अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर रेलवे

सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तरी रेलवे, भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी ओर से, उत्तरी रेलवे के फिरोजपुर मंडल में STBA (स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट) के रूप में नियुक्त किए जाने हेतु, नीचे सूचीबद्ध रेलवे स्टेशनों के लिए निर्धारित प्रारूप में सीलबंद 'सिंगल पैकेट' आवेदन आमंत्रित करते हैं।

क्र सं.	स्टेशन का नाम	स्टेशन का कोड	स्टेशन की श्रेणी/वर्ग	अग्रिम धन (रुपये में)	निविदा प्रपत्र (रुपये में)	अनुबंध की अवधि
1	बद्दोवाल	BWZ	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
2	बंगा	BXB	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
3	चिहेडू	CEU	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
4	चौकीमान	CKM	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
5	हमीरा	HMR	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
6	खोजेवाला	KWJ	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
7	लाडोवाल	LDW	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
8	रोमाना अलबेल सिंह	RLS	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
9	सुच्ची पिंड	SCPD	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
10	सूरानुस्सी	SRX	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
11	टांगरा	TRA	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
12	गोलेवाला	GHA	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
13	फिरोजशाह	PHS	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
14	कत्थूनंगल	KNG	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
15	चूड़ीवाला धन्ना	CWDA	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
16	खुई खेड़ा	KUKA	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
17	ज्ञानी जैल सिंह संधवां	GZS	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
18	कासु बेगु	KBU	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
19	डगरू	DAU	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
20	बहराम	BHM	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
21	करतारपुर	KRE	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
22	सुल्तानपुर लोधी	SQR	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
23	हुसैनपुर	HSQ	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
24	वेरका	VKA	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
25	गोराया	GRY	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल
26	जैंतीपुरा	JNT	NSG-6	2000/-	1180/-	तीन साल

STBA के रूप में नियुक्ति के लिए आवेदन केवल सीलबंद पैकेट में, वाणिज्य शाखा, DRM कार्यालय, फिरोजपुर कैंट में दिनांक 12.08.2026 (बुधवार) को 15:00 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन को वाणिज्य शाखा, DRM कार्यालय, FZR में रखे गए एक बॉक्स में डाला जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए कृपया रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** देखें। **संख्याः MC/47000/STBA/Policy/2022 दिनांक: 14.07.2026** **2439/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लोक निर्माण विभाग
Public Works Department
محکمہ تعمیرات عامہ
सत्यमेव जयते

Union Territory of Jammu and Kashmir
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD (R&B) DIVISION BHADERWAH

NOTICE INVITING TENDERS

e-NIT No.:-59 of 2026-27Dated:-14-07-2026

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory Jammu and Kashmir, e-tenders are invited on Percentage basis form approved and eligible contractors registered with J&K Govt. CPWD Railways and other State / Central Governments for the following work

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen / downloaded from the departmental website www.jktenders.gov.in as per below schedule.

S. No.	Name of work	Advertised Cost (in lacs)	Earnest Money @ 2% (in Rs.)	Cost of Tender Document (in Rs.)	Time of Stage Contract	Class of contractor
1	2	3	4	5	6	7
1	Restoration / Maintenance of various roads falling under the jurisdiction of PWD (RnB) Division Bhaderwah on emergent basis by way of (Pavement) G-III, Bituminous Macadam, Premix Carpet, Seal Coat, Tack Coat during financial year 2026-27(8th Call)	STAGE CONTRACT	30,000	600	Stage Contract for the financial year 2026-27 upto 31-03-2027	A,B,C,D, Hot Mix Plant Holder

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen / downloaded from the departmental website www.jktenders.gov.in as per below schedule

1 Date of Issue of Tender Notice	**14-07-2026**
2 Period of Downloading of bidding documents	**From 14-07-2026 to 24-07-2026, 04:00 PM**
3 Bid Submission Start Date	**14-07-2026**
4 Bid Submission End Date	**24-07-2026upto04:00 PM**
5 Date & Time of Opening of Technical Bids (Online)	**25-07-2026 on or after 2:00 PM in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Bhaderwah**
6 Date & Time of Opening of Financial Bids (Online)	**To be notified after Technical bid evaluation is completed**

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date, e-NIT No. and name of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division, Bhaderwah uploading a copy of treasury challan and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR duly pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division, Bhaderwah as mentioned in the bid documents (The Date of Treasury Challan / CDR / FDR should be between the date of Start of Bid and Bid Submission end Date)The earnest money of the unsuccessful bidder shall be released only after submission of Treasury Challan.
2. The electronic bidding system would not allow any late submission of bids after due date and time as per server time. Bidders may modify their bids by uploading their request for modification before the deadline for submission of bids. For this, the bidder need not make any additional payment towards the cost of tender document. For bid modification and consequential re- submission, the bidder is not required to withdraw his bid submitted earlier. The last modified bid submitted by the bidder within the bid submission time shall be considered as the bid. For this purpose, modification / withdrawal by other means will not be accepted. In online system of bid submission, the modification and consequentialsubmission of bids is allowed any number of times. The bidders may withdraw his bid by uploading their request before the deadline for submission of bids; however, if the bid is withdrawn, the resubmission of the bid is not allowed. No bid shall be modified or withdrawn after the deadline of submission of bids.
3. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.in and conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The Financial-bids of Responsive bidders shall be opened online in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Bhaderwah. The date for same shall be intimated separately.
4. The bids for the work shall remain valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.
5. The bidder shall be disqualified from bidding for any contract with this office for a period of 03 Years from the date of notification, If :

a) Any bidder/tenderer withdraws his bid/tender during the period of bid validity or makes any modifications in the terms and conditions of the bid.

b) Failure of Successful bidder to furnish the required performance security within specified time period after issue of letter of acceptance.

6. Instruction to bidders regarding e-tendering process.

6.1 Bidders are advised to download bid submission manual from the "Downloads" option as well as from "Bidders Manual Kit" on website www.jktenders.gov.in to acquaint bid submission process.

6.2 To participate in bidding process, bidders have to get 'Digital Signature Certificate (DSC)' as per Information Technology Act-2000. Bidders can get digital certificate from any approved vendors.

6.3 The bidders have to submit their bids online in electronic format with digital Signature. No financial bid will be accepted in physical form.

6.4 Bids will be opened online as per time schedule mentioned above.

6.5 Bidders must ensure to upload scanned copy of all necessary documents mentioned in NIT and SBD with technical bid online.

Note: - Scan all the documents on 100 dpi with black and white option.

7. The department will not be responsible for delay in online submission due to any reasons.
8. Scanned copy of cost of tender document in shape of e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date, e-NIT No. and name of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division, Bhaderwah uploading a copy of treasury challan and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR duly pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division Bhaderwah(The Date of Treasury Challan / CDR / FDR should be between the date of Start of Bid and Bid Submission end Date).
9. Bidders may contact office of the Chief Engineer PW (R&B) Department Chenab Valley or concerned Executive Engineer for any guidance for getting DSC or any other relevant details in respect of e-tendering process.

No.:- EE/PWD/R&B/BHD/2026-27/2156-2167 Dated :-14-07-2026

DIP/J-5796/26
Dtd: 15-7-2026

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Bhaderwah

संपादकीय

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती जरूरी

जम्मू-कश्मीर में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण लंबे समय से प्रशासन के लिए एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। समय-समय पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए जाने के बावजूद यह समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी है।

यह समझना आवश्यक है कि सरकारी भूमि किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होती, बल्कि वह आम जनता के हित और विकास कार्यों के लिए सुरक्षित रखी जाती है। ऐसी भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले लोग न केवल आम नागरिकों के अधिकारों का हनन करते हैं, बल्कि कानून और स्थापित व्यवस्थाओं की भी खुली अवहेलना करते हैं।

जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर हो रहे अतिक्रमण को देखते हुए अब समय आ गया है कि अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि स्पष्ट संदेश जाए कि सरकार अपनी संपत्ति पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगी।

इसी संदर्भ में सांबा जिला प्रशासन द्वारा पुलिस के सहयोग से बेला मनोहर क्षेत्र में चलाया गया अतिक्रमण विरोधी अभियान एक सराहनीय और प्रभावी कदम है। यह कार्रवाई न केवल दोषी को सबक सिखाने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि दूसरों को भी ऐसे अवैध कार्यों से दूर रहने की चेतावनी देती है।

जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में आरोपी व्यक्ति द्वारा सरकारी भूमि पर बनाए गए अवैध निर्माण को सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई एक बार फिर इस बात का प्रमाण है कि प्रशासन सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और कानून के शासन को लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इस प्रकार की दृढ़ कार्रवाई अन्य लोगों के लिए भी प्रभावी निवारक सिद्ध हो सकती है। जब लोगों को यह विश्वास होगा कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का परिणाम कठोर कानूनी कार्रवाई के रूप में सामने आएगा, तो ऐसी प्रवृत्तियों में निश्चित रूप से कमी आएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कानून का पालन पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और बिना किसी भेदभाव के हो, ताकि सामाजिक हैसियत, प्रभाव या पृष्ठभूमि चाहे जो भी हो, हर दोषी के खिलाफ समान कार्रवाई की जाए।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण जम्मू-कश्मीर की पुरानी और जटिल समस्या है। इसलिए इसे स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए निरंतर और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है।

यह भी जरूरी है कि ऐसे अभियान केवल एक बार की कार्रवाई तक सीमित न रहें, बल्कि नियमित निगरानी, अवैध कब्जों की समय पर पहचान तथा राजस्व विभाग और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से लगातार जारी रहें। केंद्र शासित प्रदेश के अन्य जिलों में भी इसी प्रकार के अभियान चलाए जाने चाहिए, क्योंकि यह समस्या व्यापक है और इसके समाधान के लिए सामूहिक एवं निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए, ताकि वे अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें और व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाया जा सके। भ्रष्टाचार भी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण बढ़ने के प्रमुख कारणों में से एक है।

इस विशाल पथ पर

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

बचपन से मुझे श्रीजगन्नाथ जी की अनेक प्रार्थनाएँ और भजन याद हैं। स्कूल

भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहाँ सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है।

बचपन से मैं जगन्नाथ जी की भक्त हूँ। वे सर्वदा मेरे परम आराध्य हैं। मेरे जीवन के उत्थान और पतन के वे नियंता हैं। मेरे दुख-सुख के कर्ता-धर्ता हैं। जीवन में मैंने बहुत कष्ट भी सहे हैं। उन सब दारुण दुखों से उबारा है मुझे महाबाहु ने। मैं उनकी बेटी जो हूँ!

और कॉलेज में पढ़ते समय मैं गीत गाया करती थी। जगन्नाथ जी का भजन गाकर मैं खुश होती थी। महाप्रभु को अपने निकट पाती थी। अब गीत नहीं गाती। किंतु साँझ-सबेरे महाप्रभु का स्मरण करके उनके भजन गुनगुना लेती हूँ। मुझे लगता है कि महाप्रभु हर वक़्त मेरे आस-पास ही रहते हैं। विपदा-आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूँ:-

मेरे पास दिन-रात रहते हैं महाप्रभु परमेश्वर,

यह बात याद कर हृदय में पूजूँगा उन्हें निरंतर।

मैं कुछ समझने-बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथ जी को जानने लगी थी। हमारे घर मेंअक्सर जगन्नाथ जी की चर्चा होती थी। गाँव के हर टोले में उनकी महिमा का बखान होता था।जब मैं गाँव के स्कूल में पढ़ती थी, भक्त सालबेग की आहे नीड़ो शोइड़ो प्रार्थना गाई जाती थी। स्कूल के शिक्षक जगन्नाथजी के बारे में तरह-तरह की बातें कहा करते थे। पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है!मंदिर में श्रीजगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं

। जगन्नाथ जी का रंग काला है, उनकी आँखें गोल-गोल हैं। सुभद्रा जी का रंग पीला है, बलभद्र है चाँदनी फूल की तरह सफेद।वह छविएक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती। सर यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभु', उनका प्रसाद महाप्रसाद है, उनका मंदिर बड़ा मंदिर है, उनका पथ विशाल पथ (बोड़ो दांडो) है, और उनका समुद्र महोदधि है। मयूरभंज के उपरबेड़ा गाँव से पुरुषोत्तम क्षेत्र पुरी की दूरी बहुत थी! भला देखने का अवसर मुझे कहाँ मिलता।किंतु मैं भुवनेश्वर गई और मैंने यूनिट-2 के गर्ल्स हाईस्कूल में नाम लिखवाया। हॉस्टल में रहने लगी। उसके बाद मैंने पुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क देखा। पहली बार जगन्नाथ दर्शन की स्मृति मेरे मन से मिटी नहीं है। बहुत बड़ा मंदिर, बड़े-बड़े देवता! भला ये सब भुलाए जा सकते हैं?

क्या भुलाई जा सकती है उनकी रथयात्रा? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में। लेकिन रथयात्रा की छटा तो निरालीहोती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहाँ आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं मंदिर के अंदर जाकर। किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर विशाल पथ (बोड़ो दांडो) पर आते हैं।

भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहाँ सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है।

बचपन से मैं जगन्नाथ जी की भक्त हूँ। वे सर्वदा मेरे परम आराध्य हैं। मेरे जीवन के उत्थान और पतन के वे नियंता हैं। मेरे दुख-सुख के कर्ता-धर्ता हैं। जीवन में मैंने बहुत कष्ट भी सहे हैं। उन सब दारुण दुखों से उबारा है मुझे महाबाहु ने। मैं उनकी बेटी जो हूँ!

राष्ट्रपति पद के लिए मुझे उम्मीदवार बनाने की घोषणा होते ही मैंने महाप्रभु का स्मरण किया। इतनी ऊँचाई पर मुझे ले जा रहे हो प्रभु, पग-पग पर मुझे सहारा देना, सदा मेरे पास रहना - यह मेरी प्रार्थना थी। उन्होंने मेरी प्रार्थना सुनी, सुन भी रहे हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान रथयात्रा का महापर्व आया। परंतु पुरी जाना संभव नहीं था। रथयात्रा के दिन बड़े भोर मेंदिल्ली के हौजखास मेंबनेजगन्नाथ मंदिर जाकर मैंने महाप्रभु के दर्शन किए।आनंद से भर गया मन। उनका आशीष मुझ पर बरस गया। बड़े आत्मविश्वास से मैंने अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया।अत्यंत उत्साह से चुनाव कैंपेन में भाग लिया। 25 जुलाई, 2022 को पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में शपथ लेने जाते समय मैं जगन्नाथ जी से प्रार्थना करते-करते जा रही थी। उनके आशीर्वाद से मेरा शपथ-पाठ खूब अछी तरह संपन्न हुआ। राष्ट्रपति के रूप में मेरे प्रथम भाषण के समय मानो वे मेरे साथ ही थे।

पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन केलिए मेरा मन व्याकुल हो उठा। दिन बीतते चले गए, लेकिन मैं पुरी नहीं जा सकी। मुझे लगा कि बिना उनके बुलावे के कोई कैसे उनके पास जा सकता है!

मैंने मन ही मन उनसे कहा, मेरा कोई दोष हो तो क्षमा करो प्रभु, मुझे पुरी बुलाओ, दर्शन दो। वे भाव के ठाकुर हैं। मेरा भाव कैसे नहीं समझते? कुछ ही दिनों में पुरी जाने का कार्यक्रम तय हो गया। उस दिन 10 नवंबर, 2022 था। पुरी में अवतरण करने के बाद कार-केड चल पड़ा श्रीमंदिर की ओर। कार-केड पुरी के प्रशस्त पावन-पथ पर पहुँचते ही मेरे अंदर एक अपूर्व भावना का संचार हुआ। यह विशाल-पथ महाप्रभु जगन्नाथ का ही है। यहाँ क्या आवश्यकता है प्रोटोकॉल की? पुरी तो क्षेत्रराज के रूप में प्रसिद्ध है। महाप्रभु देवाधिदेव हैं। और अधिक कुछ सोचने से पहले मैंने गाड़ीरुकवाई। मेरी गाड़ी रुकने पर पीछे आ रही सारी गाड़ियाँ रुक गईं। किसी के कुछ समझने से पहले मैंने पावन-पथ पर नंगे पैर चलना शुरू कर दिया। श्रीमंदिर लगभग दो किलोमीटर दूर था। मंदिर के नीलचक्र और पतित पावन-ध्वज को देखतेहुए मैं आगे बढ़ती चली गई।

पथ के दोनों किनारों पर खड़े बचों, महिलाओं, युवा-छात्रों औरबुजुर्गों को नमस्कार भी करती जा रही थी। मेरा ध्यान था जगन्नाथ जी के पास। श्रीमंदिर के सिंहद्वार के पास पहुंचते ही मैं स्थिर नहींरह पाई। तब तक मैं खुद को भूल चुकी थी। पावन-पथ की धूल में साष्टांग लेटकर मैंने महाप्रभु को प्रणाम किया। उसके बाद मंदिर में प्रवेश।गर्भगृह में पहुंचकर चतुर्धा मूर्तियों का दर्शन करते ही मैं आनंद से अभिभूत हो गई। महाप्रभु जगत के नाथ हैं, अनाथों के नाथ हैं। जगत के लोगों का दु:ख दूर करने के लिए वे सदा तत्पर रहते हैं। इसलिए उनकी गोल-गोल आँखों की पलकें कभी नहीं झपकतीं। उनके लिए छोटा-बड़ा कोई नहीं है। वे सबको सामान दृष्टि से देखते हैं, समता के मंत्र से सबको अभिमंत्रित करते हैं। उनकी करुणा पाकर ही मैंने समाज के हर वर्ग की सेवा में स्वयं को समर्पित किया है। गोल-गोल आँखों वाले की ओर देखते हुए करबद्ध होकर बोली, आपके आशीर्वाद से मेरा यह समर्पण भाव हमेशा बना रहे, हे महाबाहु।देश-दुनिया पर अपनी छत्र-छाया बनाये रखें, हे कृपानिधि! यह कहते हुए मैं भक्तिभाव से विह्वल हो उठी।

[भारत की राष्ट्रपति,
नईदिल्ली।]

भारतीयों की मौत पर सन्नाटा क्यों? ईरान के लिए मुखर रहने वालों से देश पूछ रहा है सवाल ?

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और ईरान के संबंध सदियों पुराने रहे हैं। सांस्कृतिक विरासत, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, चाबहार बंदरगाह और सामरिक सहयोग जैसे अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों ने एक-दूसरे का साथ दिया है। हालांकि यह भी सामने आया है कि इस्लाम के नाम पर ईरान ने हमेशा पाकिस्तान का साथ निभाया है, लेकिन अपने व्यापारिक हितों को देखते हुए वह आर्थिक मामलों में भारत के साथ खड़ा दिखा है।

यही कारण भी रहा जो भारत ने हमेशा यह साबित किया कि वह अपने मित्र देशों का संकट की घड़ी में भी साथ देता है। आज जब 'हॉर्मुज जलडमरूमध्य' में भारतीय नाविकों की मौत और कई भारतीयों के घायल होने की घटना सामने आई है, तब यह प्रश्न पूरे देश के सामने खड़ा है कि क्या भारत के इस मित्रता पूर्ण व्यवहार एवं सम्मान का मान ईरान ने भी रखा है?

विदेश मंत्रालय ने स्वयं स्वीकार किया है कि पश्चिम एशिया में समुद्री जहाजों पर हाल में हुए हमलों में सबसे अधिक भारतीय नागरिक प्रभावित हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस सप्ताह हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे दो व्यापारी जहाज, 'एमटी अल बहियाह' और 'एमटी मोम्बासा' हमले का शिकार बने। इन दोनों जहाजों पर कुल 46 चालक दल के सदस्य थे, जिनमें 30 भारतीय नाविक शामिल थे।

'एमटी अल बहियाह' पर सवार 12 भारतीयों में से एक भारतीय नागरिक की मृत्यु हो गई, जबकि एक अन्य घायल हुआ। 'एमटी मोम्बासा' पर सवार 18 भारतीयों में से 9 भारतीय घायल हुए, जिनमें दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है, वह जीवित भी बचेंगे, इसमें संदेह है। हालांकि भारत सरकार ने तत्काल नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के मिशन उप प्रमुख को विदेश मंत्रालय तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इन हमलों की तीखी निंदा की।

यदि भारत जैसा संतुलित कूटनीतिक देश किसी मित्र राष्ट्र के राजनयिक को तलब करता है, तो यह अत्यंत गंभीर संदेश होता है। पर क्या इससे भारत की वह जनता समझेगी, जो कल तक ईरान के समर्थन में सड़कों पर उतर रही थी, चंदा इकट्ठा कर मदद के नाम पर ईरान भेज रही थी?

हकीकत में तो आज यह सभी के लिए याद करना आवश्यक है कि भारत ने ईरान के लिए क्या किया। जब ईरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों, युद्ध और आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने सिर्फ उसके पक्ष में जहां संभव रहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बयान जारी किए, साथ ही मानवीय सहायता का बड़ा अभियान भी चलाया।

जीवनरक्षक दवाइयाँ, चिकित्सा उपकरण और आवश्यक मेडिकल सामग्री, वैध और कानूनी माध्यमों से ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी तक पहुँचाई गईं। जिसके परिणाम में ईरान सरकार और उसके राजदूत ने सार्वजनिक रूप से भारत सरकार तथा भारतीय जनता के इस सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। यानी भारत ने सहानुभूति का प्रदर्शन करने के स्थान पर संकट की घड़ी में ईरान की वास्तविक मदद की।

ईरान के पक्ष में जब भारत में रह रहे शिया मुसलमान धन इकट्ठा कर रहे थे, तब कश्मीर घाटी से लेकर मेरठ, लखनऊ, अमरोहा, हैदराबाद, मुंबई, कारगिल और अन्य क्षेत्रों से नकद राशि के साथ-साथ सोने के आभूषण, चांदी के बर्तन और अन्य मूल्यवान वस्तुएँ ईरान को आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गईं। यानी जो भी ईरान के पक्ष में संभव हो सकता था, वह सभी कुछ भारत सरकार ने अपने स्तर पर किया। जहां तक कि भारत के तमाम गैर मुसलमानों ने भी शियाओं के आह्वान पर यथासंभव मदद अपनी ओर से मुहैया कराई।

अमेरिकी प्रतिबंधों और वैश्विक दबाव के बावजूद भारत ने चाबहार बंदरगाह परियोजना को कभी नहीं छोड़ा। यह परियोजना ईरान की अर्थव्यवस्था और उसके अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। जब अनेक अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ ईरान से दूरी बना रही थीं, तब भारत ने निवेश जारी रखा। यह कदम भरोसे और रणनीतिक साझेदारी के आधार पर उठाया गया, किंतु आज सवाल जवाबदेही का है।

वस्तुत: जब भारतीय नागरिकों की जान जाती है, तब भारत को यह पूछने का पूरा अधिकार है कि ऐसी घटनाएँ क्यों हुईं?यदि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, यदि नागरिक जहाजों पर हमले होते हैं और उनमें सबसे अधिक भारतीय प्रभावित होते हैं, तो सिर्फ 卐दुख व्यक्त卐 कर देना पर्याप्त नहीं हो सकता। ऐसे में भारत के प्रत्येक नागरिक को यह जानने का अधिकार है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ईरान क्या ठोस कदम उठा रहा है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत विश्व के सबसे बड़े समुद्री मानव संसाधन प्रदाताओं में शामिल है। हजारों भारतीय व्यापारी जहाजों पर कार्य करते हैं। वे किसी सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं होते। वे वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं। ऐसे निर्दोष नागरिकों का किसी भी संघर्ष में शिकार बनना अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून और मानवीय सिद्धांतों, दोनों के विपरीत है। यदि सबसे अधिक भारतीय नाविक ही प्रभावित हो रहे हैं, तो यह भारत के लिए स्वभाविक तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन गया है।

अब स्वभाविक है कि इस पूरे घटनाक्रम ने देश के भीतर भी एक गंभीर बहस छेड़ दी है। जैसा कि बताया गया, जब ईरान संकट में था, तब भारत में अनेक स्थानों पर उसके समर्थन में प्रदर्शन हुए।

सोशल मीडिया पर अभियान चलाए गए। मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून की दुहाई दी गई। करोड़ों रुपये का चंदा जुटाया गया। लोगों ने अपने आभूषण तक दान कर दिए, किंतु आज जब एक भारतीय नागरिक की मृत्यु हुई, अनेक भारतीय घायल हुए और भारत सरकार को स्वयं ईरानी राजनयिक को तलब कर विरोध दर्ज कराना पड़ा, तब वही मुखर आवाजें शांत हैं!

क्या भारतीय नागरिक का जीवन किसी अन्य देश के नागरिक से कम मूल्यवान है? क्या मानवाधिकारों की आवाज तब उठेगी, जब पीड़ित कोई दूसरा होगा? क्या संवेदना भी वैचारिक पसंद और नापसंद देखकर व्यक्त की जाएगी? वस्तुत: ये प्रश्न उन सभी लोगों के लिए हैं जो अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर नैतिकता और मानवाधिकार की बात करते हैं। उन्हें भी आज यह समझना चाहिए कि यदि सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो भारतीय नागरिक के लिए भी वही संवेदना दिखाई देनी चाहिए। यहां केंद्र की मोदी सरकार से भी ईरान के प्रति कड़ा रुख अपनाने का आग्रह है। बेशक; भारत की विदेश नीति संतुलित है। भारत अमेरिका से भी संबंध रखता है, रूस से भी, इजराइल से भी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह किसी देश को ये छूट दे कि वह उसके नागरिकों की हत्या करेगा या उसके यहां हिंसा एवं हत्या होंगी ।

अब यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि ईरान भी उसी स्पष्टता से भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराए, जिम्मेदारी तय करे और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस एवं विश्वसनीय कदम उठाए।

इसके साथ ही भारत में रह रहे सभी शिया मुसलमानों एवं उन सभी से जो कल तक ईरान के साथ खड़े दिखे, उन सभी से अपील है कि वह भारतीयों पर ईरान के समुद्री क्षेत्र में हो रही हिंसात्मक कार्रवाइयों का मुखर विरोध करें।

केंद्र सरकार भी ध्यान रखे, किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य उसके नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान होता है। यदि भारतीय नागरिकों का रक्त बहता है, तो भारत का कठोर प्रश्न पूछना उसका अधिकार से अधिक उसका कर्तव्य भी है। मित्रता सम्मान पर टिकी होती है और सम्मान की पहली शर्त आज भारत-ईरान संबंधों के बीच यही है कि हर देशवासी, भारतवासी का जीवन सर्वोपरि है।

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

– डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा- बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ?

हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी।

यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए।

सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है।

इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा।

फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित क्कु रना नहीं बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें।

इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है।

यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना।

आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों- शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की अनुपस्थिति केवल परिवारों को ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी।

वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी। संपत्ति कुछ हाथों में अधिक केंद्रित हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं का तेजी से निजीकरण हुआ। महानगरों में भूमि की उपलब्धता सीमित रही। निवेशकों ने आवास को रहने की आवश्यकता से अधिक निवेश का साधन बना दिया। परिणामस्वरूप मकान आम परिवार की पहुंच से दूर होते गए। इसी प्रकार शिक्षा सेवा न रहकर एक बड़े उद्योग का रूप लेती गई। इन संरचनात्मक कारणों की अनदेखी कर पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के रोजगार पर डाल देना समस्या का समाधान नहीं है।

निश्चित रूप से आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। छोटे बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, वैवाहिक संबंधों में संवाद की कमी और बढ़ता मानसिक तनाव वास्तविक समस्याएं हैं। इनका समाधान लचीले कार्य घंटे, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, गुणवत्तापूर्ण डे-केयर, परिवार समर्थक नीतियों और कार्यस्थलों पर संवेदनशील वातावरण से निकलेगा। केवल महिलाओं को दोषी ठहराने से न तो महंगाई कम होगी और न ही परिवार मजबूत होंगे।

यह भी समझना होगा कि अनेक महिलाओं के लिए नौकरी कोई शौक नहीं बल्कि आवश्यकता है। बढ़ती महंगाई, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा खर्च, आवास ऋण और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के कारण दोहरी आय कई परिवारों की मजबूरी बन चुकी है। दूसरी ओर लाखों महिलाएं अपनी प्रतिभा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक योगदान के लिए भी कार्य करना चाहती हैं। उनके निर्णय को केवल बाजार की साजिश बताना उनके व्यक्तित्व और अधिकारों दोनों को सीमित करता है।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज में पुरुष और महिला दोनों की भूमिकाएं बदल रही हैं। यदि दोनों कमाते हैं तो घरेलू जिम्मेदारियां भी दोनों को साझा करनी चाहिए। बच्चों का पालन-पोषण केवल मां का नहीं, पिता का भी समान दायित्व है। इसी प्रकार आर्थिक जिम्मेदारी केवल पुरुष की नहीं बल्कि आवश्यकता और सहमति के अनुसार दोनों की हो सकती है। आधुनिक परिवार की सफलता इसी साझेदारी में निहित है।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता दोषारोपण की नहीं बल्कि संतुलन की है। हमें ऐसा समाज चाहिए जहां परिवार भी मजबूत हों और महिलाओं की प्रतिभा भी विकसित हो। जहां घरेलू कार्य का सम्मान हो और पेशेवर उपलब्धियों का भी। जहां बच्चों को माता-पिता दोनों का समय मिले और दोनों को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर भी। आर्थिक नीतियां ऐसी हों कि शिक्षा और आवास आम नागरिक की पहुंच में रहें। निजी संस्थानों पर प्रभावी नियमन हो, गुणवत्तापूर्ण सरकारी विद्यालय और अस्पताल मजबूत किए जाएं तथा आवास क्षेत्र में पारदर्शिता और किफायत सुनिश्चित की जाए।

अंततः यह कहना कि आज की सारी आर्थिक समस्याओं की जड़ महिलाओं का रोजगार है, न तो न्यायसंगत है और न ही तथ्यों पर आधारित। उतना ही गलत यह कहना होगा कि आधुनिक व्यवस्था में कोई समस्या नहीं है। वास्तविकता इन दोनों अतियों के बीच है। परिवारों पर बढ़ता आर्थिक दबाव, बच्चों के लिए समय की कमी और सामाजिक बदलाव गंभीर मुद्दे हैं लेकिन इनके समाधान के लिए हमें व्यापक आर्थिक सुधार, परिवार समर्थक नीतियां और लैंगिक सहयोग की आवश्यकता है, न कि समाज के आधे हिस्से को समस्याओं का कारण घोषित करने की। किसी भी सभ्यता की मजबूती तब बढ़ती है जब वह अधिकार और उत्तरदायित्व, स्वतंत्रता और परिवार, विकास और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यही संतुलन भविष्य के स्वस्थ, समृद्ध और संवेदनशील समाज की आधारशिला बनेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुरादाबाद मंडल के फुटबॉल क्लब 20 जुलाई तक कराएं नवीनीकरण

एजेंसी

मुरादाबाद। जिला फुटबाल एसोसिएशन मुरादाबाद ने मंडल के सभी पंजीकृत क्लबों को 20 जुलाई तक नवीनीकरण कराने का समय दिया है। एसोसिएशन का कहना है कि नवीनीकरण के बिना न तो खिलाड़ियों का ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) में पंजीकरण होगा और न ही जिला फुटबॉल लीग का आयोजन संभव है।जिला फुटबाल एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव मोहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि एआईएफएफ पंजीकरण में समय लगता है। इसलिए क्लब 20 जुलाई तक प्रक्रिया पूरी कराएं। सभी क्लब सचिव आवश्यक दस्तावेज, खिलाड़ियों के कागजात और शुल्क का डिमांड ड्राफ्ट जिला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के पक्ष में जमा करें। उन्होंने बताया कि नवीनीकरण प्रक्रिया के लिए क्लब सहायक सचिव आमिर मिर्जा और सुरेंद्र पाल सिंह से संपर्क कर सकते हैं। एसोसिएशन ने खिलाड़ियों से अपील की है कि वह नियमित अभ्यास जारी रखें ताकि लीग में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। समय पर नवीनीकरण पूरा होने पर जिला फुटबॉल लीग का जल्द आयोजन किया जाएगा।

लिटिल चैंप फुटबॉल प्रतियोगिता में गोला बना चैम्पियन

रामगढ़। रामगढ़ शहर के गांधी ममोरियल मुख्यमंत्री उत्कृष्ट प्लस विद्यालय परिसर में झारखंड शिक्षा परियोजना के तत्वावधान में दो दिवसीय जिला स्तरीय द्वितीय लिटिल चैंप फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर-12 बालिका वर्ग के रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए गोला प्रखंड की टीम जिला चैम्पियन बनी। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला शिक्षा अधीक्षक खुशबू कुमारी, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अनूप एम केरकेट्टा, एपीओ कुमार राज, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुलोचना कुमारी और विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार अनल ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता के पहले दिन जिले के छह प्रखंडों की अंडर-12 बालिका टीमों ने भाग लिया। उद्घाटन मुकाबला दुलमी प्रखंड और पतरातू प्रखंड के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद ट्राई-ब्रेकर में दुलमी प्रखंड ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। I गोला प्रखंड एवं दुलमी प्रखंड के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया, लेकिन गोला प्रखंड की टीम ने 1-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया।

नेशनल अंडर-9 गर्ल्स शतरंज चैंपियनशिप में मुरादाबाद की अलिश्बा आजम का शानदार प्रदर्शन

मुरादाबाद। पीतलनगरी मुरादाबाद की अलिश्बा आजम ने राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। अलिश्बा ने रांची में 7 से 13 जुलाई तक आयोजित 39 वीं नेशनल अंडर-9 गर्ल्स शतरंज चैंपियनशिप में 11 में से 6 अंक हासिल किए। जिला शतरंज स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के अध्यक्ष चंद्रकांत सरन ने बताया कि ऑल झारखंड शतरंज एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में देश भर के करीब 159 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अनरेटेड खिलाड़ी होने के बावजूद अलिश्बा ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए दो रेटेड खिलाड़ियों को हराया। उन्होंने तेलंगाना की शेख शाज्वा (रेटिंग 1463) और तमिलनाडु की लेकसरी यू (रेटिंग 1432) को पराजित किया, जबकि असम की तनिष्का (रेटिंग 1442) के साथ मुकाबला ड्रॉ रहा। प्रतियोगिता में अलिश्बा को 65वां स्थान मिला। इसके साथ ही उन्हें टॉप-100 बोर्ड्स पर खेलने के लिए ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि पर शतरंज खिलाड़ियों एवं एसोसिएशन में खुशी है। जिला शतरंज स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के अध्यक्ष चंद्रकांत सरन, सचिव प्रमोद विष्ट, उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष कवलप्रीत खुराना आदि ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

यूएई क्रिकेट बोर्ड ने जीते आईसीसी डेवलपमेंट अवॉर्ड्स 2025 के तीन बड़े सम्मान

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) क्रिकेट बोर्ड ने वर्ष 2025 के आईसीसी विकास पुरस्कारों में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन वैश्विक सम्मान अपने नाम किए हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान की गई। आईसीसी विकास पुरस्कार एसोसिएट सदस्य देशों द्वारा क्रिकेट के विकास, महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने, टीम प्रदर्शन, डिजिटल पहल और सामाजिक प्रभाव जैसे क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित करने के लिए दिए जाते हैं। यूएई क्रिकेट बोर्ड को 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ विकास पहल' पुरस्कार उसकी ऐतिहासिक अंडर-15 बालिका अकादमी लीग के लिए दिया गया। क्षेत्र में अपनी तरह की पहली इस प्रतियोगिता ने क्रिकेट से आगे बढ़कर सामाजिक प्रभाव भी छोड़ा। इस पहल ने उन हजारों लड़कियों को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने का अवसर दिया, जिन्हें पहले इस तरह का मंच उपलब्ध नहीं था। इस कार्यक्रम ने खेल के माध्यम से समान अवसर, आत्मविश्वास और भागीदारी को बढ़ावा दिया।

अर्जेंटीना पर हो रही आलोचना गलत, सेमीफाइनल तक पहुंचना हमारी ताकत का सबूत : कोच स्कालोनी

एजेंसी

अटलांटा। फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ने से पहले अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने अपनी टीम के प्रदर्शन पर हो रही आलोचना को अनुचित बताया है। स्कालोनी ने कहा है कि मौजूदा विश्व चैंपियन छह में छह मुकाबले जीतकर अंतिम चार में पहुंचा है और यह अपने आप में टीम की गुणवत्ता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

विश्व कप 2026 में लगातार छह जीत दर्ज करने के बावजूद अर्जेंटीना के प्रदर्शन पर सवाल उठाए जा रहे हैं। टीम को राउंड ऑफ-32 में केप वर्डे और क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड के खिलाफ अतिरिक्त समय तक संघर्ष करना पड़ा, जबकि प्री-क्वार्टर फाइनल में मिस्र के खिलाफ 0-2 से पिछड़ने के बाद

वापसी करनी पड़ी।हालांकि स्कालोनी ने इन आलोचनाओं को खारिज करते हुए प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, टीम उतना खराब नहीं खेल रही है, जितना लोग कह रहे हैं। अगर हम यहां तक पहुंचे हैं, तो जाहिर है हमने कुछ सही किया है। स्कालोनी ने अपनी टीम की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा, मैं अपने खिलाड़ियों का आभारी हूं। उन्होंने हमें तीन बड़े खिताब दिलाए हैं और अब एक और विश्व कप सेमीफाइनल तक पहुंचाया है। हम फाइनल से सिर्फ एक जीत दूर हैं और वहां पहुंचने के लिए अपना सबकुछ झोंक देंगे। उन्होंने कहा कि इस स्तर पर खेल की खूबसूरती से ज्यादा नतीजे मायने रखते हैं। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं इस बात पर ध्यान नहीं देता कि हम ठीक वैसे खेल रहे हैं या नहीं, जैसा मैं चाहता था। डेढ़ महीने पहले अगर किसी ने कहा होता कि हम विश्व कप के सेमीफाइनल में होंगे, तो मैं किसी भी तरह वहां पहुंचने को तैयार हो जाता। उन्होंने कहा, अब हम विश्व कप के सेमीफाइनल में हैं, यही सबसे महत्वपूर्ण बात है। हम सभी बेहद उत्साहित और खुश हैं। टीम जिस स्थिति में है, उसी के साथ मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच होने वाला यह मुकाबला विश्व फुटबॉल की सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्विताओं में से एक माना जाता है। वर्ष 1982 के फॉकलैंड युद्ध और विश्व कप के कई ऐतिहासिक मुकाबलों ने इस मुकाबले को विशेष बना दिया है, लेकिन स्कालोनी ने कहा कि राजनीति और इतिहास को खेल से अलग रखना चाहिए।

भारतीय धावकों ने कहा- 'कॉमनवेल्थ गेम्स एशियन गेम्स से ज्यादा कठिन'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष 400 मीटर धावकों का मानना है कि आगामी ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स उनके लिए एशियन गेम्स की तुलना में कहीं बड़ी चुनौती होगा। उनका कहना है कि कॉमनवेल्थ गेम्स में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे देशों के विश्वस्तरीय एथलीटों की मौजूदगी प्रतिस्पर्धा का स्तर काफी ऊंचा कर देती है, जो बाद में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स की तैयारी के लिए भी अहम साबित होगी। भारत ग्लासगो में 23 जुलाई से शुरू होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में 32 सदस्यीय ट्रैक एवं फील्ड दल उतारेगा। इससे पहले 41 एथलीटों और 19 कोच व सपोर्ट स्टाफ सहित 60 सदस्यीय भारतीय दल सरकारी सहायता प्राप्त प्रशिक्षण शिविर के लिए पोलैंड के स्पाला रवाना हुआ है। पुरुष 400 मीटर और मिश्रित 4×400 मीटर रिले में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले विशाल थेन्नारासु कायलविझी ने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स में मुकाबला बेहद कठिन होगा। उन्होंने कहा, कॉमनवेल्थ गेम्स एक महासागर की तरह है। यहां पदक जीतना असंभव नहीं है, लेकिन इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ दोनों बड़े मंच हैं, लेकिन कॉमनवेल्थ में प्रतिस्पर्धा का स्तर ज्यादा ऊंचा होता है। मैं इसे खुद को साबित करने का बड़ा अवसर मानता हूं।22 वर्षीय विशाल ने पिछले महीने रांची में फेडरेशन कप में 44.98 सेकेंड का समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने विश्व रिले प्रतियोगिता में पुरुष 4×400 मीटर रिले में 3:00.32 मिनट का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया।

विश्व कप का जुनून : दुर्गापुर में मिठाईयों से बनाई गई लियोनेल मेसी की अनोखी प्रतिमा

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व कप फुटबॉल का रोमांच बढ़ने के साथ ही अर्जेंटीना और उसके स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी को लेकर प्रशंसकों का उत्साह भी चरम पर है। इसी उत्साह को खास अंदाज में पेश करते हुए पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर के वार्ड नंबर 24 स्थित मामड़ा बाजार की एक मिठाई की दुकान में पूरी तरह मिठाइयों से लियोनेल मेसी की आकर्षक प्रतिमा तैयार की गई है।

इस अनोखी प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमी दुकान पर पहुंच रहे हैं। लोग प्रतिमा के साथ सेल्फी ले रहे हैं और मेसी-मेसी तथा विवा अर्जेंटीना के नारों से पूरा इलाका गूंज रहा है। विश्व कप के माहौल में मामड़ा बाजार मानो फुटबॉल प्रेमियों के लिए उत्सव स्थल बन गया है। दुकान के मालिक देवाशीष घोष ने बताया कि वह बचपन से ही अर्जेंटीना के समर्थक और लियोनेल मेसी के बड़े प्रशंसक हैं। वर्ष 2022 की तरह इस बार भी उन्होंने मेसी की मिठाई से बनी प्रतिमा तैयार की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी विश्व कप की ट्रॉफी मेसी के हाथों में ही पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ किलोग्राम खोया, खीर, सफेद और डार्क चॉकलेट का

उपयोग कर घर में ही इस प्रतिमा को तैयार किया गया है। उनके अनुसार यह केवल फुटबॉल प्रेम का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है। देवाशीष घोष ने कहा कि आज के समय में अधिकांश बच्चे मैदान में खेलने के बजाय मोबाइल और गैजेट्स में अधिक समय बिताते हैं। बच्चों में फुटबॉल के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें खेलों के महत्व से जोड़ने के उद्देश्य से उन्होंने मिठाई से मेसी की यह प्रतिमा बनाई है। विश्व कप के माहौल में दुर्गापुर की यह अनूठी पहल स्थानीय लोगों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हुई है। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह स्वीट मेसी आकर्षण का नया केंद्र बन गया है।

विश्व कप का जुनून : दुर्गापुर में मिठाईयों से बनाई गई लियोनेल मेसी की अनोखी प्रतिमा

एजेंसी

दुर्गापुर। विश्व कप फुटबॉल का रोमांच बढ़ने के साथ ही अर्जेंटीना और उसके स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी को लेकर प्रशंसकों का उत्साह भी चरम पर है। इसी उत्साह को खास अंदाज में पेश करते हुए पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर के वार्ड नंबर 24 स्थित मामड़ा बाजार की एक मिठाई की दुकान में पूरी तरह मिठाइयों से लियोनेल मेसी की आकर्षक प्रतिमा तैयार की गई है।

इस अनोखी प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमी दुकान पर पहुंच रहे हैं। लोग प्रतिमा के साथ सेल्फी ले रहे हैं और मेसी-मेसी तथा विवा अर्जेंटीना के नारों से पूरा इलाका गूंज रहा है। विश्व कप के माहौल में मामड़ा बाजार मानो फुटबॉल प्रेमियों के लिए उत्सव स्थल बन गया है। दुकान के मालिक देवाशीष घोष ने बताया कि वह बचपन से ही अर्जेंटीना के समर्थक और लियोनेल मेसी के बड़े प्रशंसक हैं। वर्ष 2022 की तरह इस बार भी उन्होंने मेसी की मिठाई से बनी प्रतिमा तैयार की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी विश्व कप की ट्रॉफी मेसी

के हाथों में ही पहुंचेगी।उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ किलोग्राम खोया, खीर, सफेद और डार्क चॉकलेट का उपयोग कर घर में ही इस प्रतिमा को तैयार किया गया है। उनके अनुसार यह केवल फुटबॉल प्रेम का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है। देवाशीष घोष ने कहा कि आज के समय में अधिकांश बच्चे मैदान में खेलने के बजाय मोबाइल और गैजेट्स में अधिक समय बिताते हैं। बच्चों में फुटबॉल के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें खेलों के महत्व से जोड़ने के उद्देश्य से उन्होंने मिठाई से मेसी की यह प्रतिमा बनाई है। विश्व कप के माहौल में दुर्गापुर की यह अनूठी पहल स्थानीय लोगों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हुई है। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह स्वीट मेसी आकर्षण का नया केंद्र बन गया है।

फीफा विश्व कप 2026 : स्पेन ने फ्रांस को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

डलास। मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच खेले गए इस बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में स्पेन ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा, जबकि फ्रांस की टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी।

अब स्पेन का सामना रविवार को फाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरी ओर फ्रांस अब तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलेगा, जो मुख्य कोच दिदिएर डेशां के 14 वर्षीय कार्यकाल का अंतिम मैच भी होगा।

पहले और दूसरे हाफ में दागे गोल

स्पेन ने पहले हाफ में बढ़त बनाई, जब मिकेल ओयारजाबाल ने पेनाल्टी को गोल में बदल दिया। यह पेनाल्टी तब मिली जब फ्रांस के लुकास डिन ने लामिन यामाल को गेंद क्लियर करने के प्रयास में फाउल

कर दिया। दूसरे हाफ में दानी ओल्मो के बेहतरीन मूव पर पेड्रो पोरो ने शानदार फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और स्पेन की जीत लगभग तय कर दी।

फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह रहा बेअसर

पूरे मुकाबले में फ्रांस की टीम स्पेनिश रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सकी। कप्तान किलियन एमबाप्पे पूरी तरह स्पेन के खिलाड़ियों की पकड़ में रहे, जबकि बैलन डी'ओर विजेता उस्मान डेम्बेले भी कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके। दूसरा गोल खाने तक फ्रांस केवल दो शॉट ही लगा पाया था और उनमें से एक भी निशाने पर नहीं था। टीम के सबसे प्रभावशाली रचनात्मक खिलाड़ी माइकल ओलिसे को भी 72वें मिनट में मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे साफ हो गया कि फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह विफल रहा।

स्पेन ने लगातार तीसरी बार फ्रांस को हराया

स्पेन ने लगातार तीसरी बड़ी प्रतियोगिता में फ्रांस को हराया है। इससे पहले उसने यूरो 2024 के सेमीफाइनल और 2025 नेशंस लीग के सेमीफाइनल में भी फ्रांस को मात दी थी। इसके साथ ही स्पेन का सभी प्रतियोगिताओं में अपराजेय अभियान 37मैचों तक पहुंच गया, जो किसी भी यूरोपीय देश की संयुक्त रूप से सबसे लंबी अपराजेय श्रृंखला है। अब स्पेन 2010 की तरह यूरोपीय चैम्पियनशिप और विश्व कप दोनों खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है।

कोच ने कहा- दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है स्पेन

स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने जीत के बाद कहा,हमने लगभग चार साल पहले एक सोच के साथ शुरुआत की थी और आज तक उसी पर कायम हैं। उसी सोच ने हमें यहां तक पहुंचाया है। आज हमने दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक का सामना किया, लेकिन उनके सामने दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम थी। यही सबसे बड़ा अंतर रहा।

उन्होंने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, ये खिलाड़ी हर सम्मान के हकदार हैं। उन्होंने हर दिन अपनी प्रतिबद्धता, एकजुटता, उदारता और प्रतिभा का परिचय दिया है। ये खिलाड़ी मुश्किल काम को भी आसान बना देते हैं।

स्पेन ने लगातार 37 मैचों तक अजेय रहकर की इटली के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी

डलास। फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराने के साथ ही स्पेन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में इतिहास रच दिया। इस जीत के बाद स्पेन ने 37 मैचों तक अजेय रहने के इटली के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। स्पेन की ओर से मिकेल ओयारजाबाल और पेड्रो पोरो ने गोल किए। इस जीत के साथ मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने विश्व कप फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना रविवार को न्यू जर्सी में अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। स्पेन ने लगातार 37 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हार का सामना नहीं किया है। इसके साथ ही उसने इटली के 2018 से 2021 के बीच बनाए गए 37 मैचों के अपराजेय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। स्पेन अब फाइनल जीतकर 2010 की तरह यूरोपीय चैम्पियनशिप और विश्व कप दोनों खिताब अपने नाम करने की दहलीज पर है।

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा मैचों में अजेय रहने वाली टीमें

इटली - 37 मैच (2018 से 2021)
स्पेन - 37 मैच (2024 से अब तक)
अर्जेंटीना - 36 मैच (2019 से 2022)
अल्जीरिया - 35 मैच (2018 से 2021)
स्पेन - 35 मैच (2007 से 2009)
ब्राजील - 35 मैच (1993 से 1996)
मोरक्को - 34 मैच (2025 से 2026)

अब स्पेन के पास फाइनल में जीत हासिल कर नया इतिहास रचने और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की सबसे लंबी अपराजेय श्रृंखला का नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा अवसर होगा।

मप्र राज्य हॉकी अकादमी के चार खिलाड़ियों का भारतीय टीम चयन, मस्कट में दिखाएंगे दम

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य हॉकी अकादमी के चार खिलाड़ियों का यूथ हॉकी-5 एस एशियन चैंपियनशिप-2026 के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। इनमें आयुष रजक (गोलकीपर), करण गौतम, महक परिहार (गोलकीपर) एवं नौशीन नाज़ (फॉरवर्ड) शामिल है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 20 से 25 जुलाई 2026 तक मस्कट, ओमान में आयोजित होगी। पुरुष वर्ग की भारतीय टीम में आयुष रजक और करण गौतम का चयन हुआ है, जबकि महिला वर्ग में मध्य प्रदेश की बेटियां महक परिहार और नौशीन नाज़ भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारतीय टीम में चयनित इन चारों खिलाड़ियों ने हाल ही में जापान

के काकामिगाहारा में आयोजित अंडर-18 एशिया कप-2026 में भी अपने शानदार प्रदर्शन से देश और मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाया था। पुरुष वर्ग में आयुष रजक और करण गौतम उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे, जिसने फाइनल में शानदार जीत दर्ज कर एशिया का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं महिला वर्ग में महक परिहार और नौशीन नाज़ ने भारतीय टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। विशेष रूप से नौशीन नाज़ ने पूरे टूर्नामेंट में 12 गोल दागकर टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर बनने का गौरव हासिल किया। अंडर-18 एशिया कप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद अब यही खिलाड़ी मस्कट में आयोजित होने वाली यूथ हॉकी-5 एस एशियन चैंपियनशिप-2026 में भारतीय टीम से एक बार फिर स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीदों के साथ उतरेंगे। मप्र के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने भारतीय टीम में चयनित प्रदेश के सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की खेल अकादमियां लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार कर रही हैं। आयुष रजक, करण गौतम, महक परिहार एवं नौशीन नाज़ का भारतीय टीम में चयन प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी खिलाड़ी मस्कट, ओमान में आयोजित यूथ हॉकी-5 एस एशियन चैंपियनशिप-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे तथा नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे।

राही सरनोबत ने कहा- भारतीय टीम में जगह बनाना आसान नहीं, अब वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स पर नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की स्टार पिस्टल निशानेबाज और एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता राही सरनोबत ने कहा है कि मौजूदा समय में भारतीय राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना दुनिया की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है। उन्होंने कहा कि घरेलू चयन ट्रायल इतने प्रतिस्पर्धी हो चुके हैं कि हर खिलाड़ी को हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है। हाल ही में महिलाओं की 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल स्पर्धा के टी-4 राष्ट्रीय चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल करने वाली राही अब चीन में होने वाले ढ्रुस्स्न्न विश्व कप और एशियन गेम्स की तैयारियों में जुटी हैं। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान उन्होंने कहा कि चयन ट्रायल में दबाव के बीच अपनी प्रक्रिया पर भरोसा बनाए रखना ही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि रही। राही ने कहा, राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना कभी आसान नहीं होता, क्योंकि भारत के घरेलू ट्रायल बेहद प्रतिस्पर्धी हैं। स्कोर से ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैंने दबाव में भी अपनी प्रक्रिया का सही तरीके से पालन किया। इससे विश्वास मिला कि पिछले कुछ महीनों की मेहनत सही दिशा में जा रही है। अब लक्ष्य इसी निरंतरता को बनाए रखना है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

राही ने भारतीय महिला 25 मीटर पिस्टल टीम को अनुभव और युवा प्रतिभा का बेहतरीन मिश्रण बताया। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ी टीम में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास लेकर आते हैं, जबकि अनुभवी खिलाड़ियों का अनुभव बड़े मुकाबलों के दबाव को संभालने में मदद करता है। उन्होंने कहा, हर पीढ़ी टीम में कुछ नया लेकर आती है। युवा खिलाड़ियों का उत्साह और निडर सोच टीम को मजबूत बनाती है, जबकि अनुभव कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना सिखाता है। इतनी प्रतिभाशाली टीम का हिस्सा होना गर्व की बात है। राही ने माना कि भारत में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का प्रतिस्पर्धी स्तर दुनिया के सबसे कठिन स्तरों में शामिल है। उन्होंने कहा कि मनु भाकर और ईशा सिंह जैसी विश्वस्तरीय निशानेबाजों के साथ रोजाना अभ्यास करने से सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर होता है। उन्होंने कहा, भारत में प्रतिस्पर्धा का स्तर ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। जब आप मनु और ईशा जैसी खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करते हैं तो हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देना पड़ता है। इससे सभी खिलाड़ी लगातार बेहतर होते हैं और एक-दूसरे के प्रति सम्मान भी बना रहता है।

खेल कैलेंडर जारी, तीन प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा मुरादाबाद

एजेंसी

मुरादाबाद। खेल विभाग मुरादाबाद ने खेल कैलेंडर जारी कर दिया है। आगामी सत्र में जिले को तीन प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी मिली है। जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को अपने ही मैदान पर प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह बताया कि जारी कैलेंडर के मुताबिक 18 से 20 सितंबर तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय सीनियर बॉयज टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन जिले में होगा। इसके बाद 15 से 17 अक्तूबर तक जूनियर गर्ल्स स्टेट कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित होगी जिसमें प्रदेशभर की टीमें हिस्सा लेंगी। इसके अलावा फरवरी 2027 में सीनियर गर्ल्स स्टेट हैंडबॉल प्रतियोगिता की मेजबानी भी मुरादाबाद को मिली है। लगातार तीन बड़े आयोजनों की जिम्मेदारी मिलने से खेल विभाग के साथ-साथ खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने आगे बताया कि जिले को मिली यह जिम्मेदारी खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने का मंच मिलेगा। खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव भी प्राप्त होगा। खेल विभाग ने तैयारी की रूपरेखा बनानी शुरू कर दी है।

अक्षर के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया, सीरीज में बनाई बढ़त

एजेंसी

बर्मिंघम। ऑलराउंडर अक्षर पटेल के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन और शुभमन गिल व वॉशिंगटन सुंदर की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में भारत ने 259 रन का लक्ष्य 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रोहित शर्मा (11) और विराट कोहली (5) सस्ते में पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर (35) ने तीसरे विकेट के लिए 101 रन जोड़कर पारी संभाली। गिल ने 80 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन क्रैम्प्स के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। श्रेयस रन आउट हुए और केएल राहुल बोल्ड हो गए। इसके बाद अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए पांचवें विकेट के लिए

नाबाद 102 रन की साझेदारी की। अक्षर ने नाबाद 57 रन, जबकि सुंदर ने नाबाद 52 रन बनाए। सुंदर ने आदिल रशीद पर विजयी छक्का लगाकर अपना अर्धशतक भी पूरा किया और भारत को यादगार जीत दिलाई। भौगोलिकसंदर्भ इससे पहले इंग्लैंड ने 47.5 ओवर में 258 रन बनाए। एक समय मेजबान टीम बिना किसी नुकसान के 61 रन बना चुकी थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए 19 रन के भीतर पांच विकेट झटक दिए। संकट में फंसी इंग्लैंड की पारी को जो रूट (76) और लियाम डॉसन (68) ने संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 121 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से गेंदबाजी में भी अक्षर पटेल ने कमाल किया और 4 विकेट अपने नाम किए। प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली।

अक्षर ने बनाया खास रिकॉर्ड

इस मुकाबले में अक्षर पटेल ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। वह वनडे क्रिकेट में एक ही मैच में 50 से अधिक रन बनाने और 4 विकेट लेने वाले भारत के छठे पुरुष क्रिकेटर बन गए। उनसे पहले हार्दिक पंड्या ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर वनडे में यह उपलब्धि हासिल की थी। भारत की इस जीत के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज में मेहमान टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है। अगले मुकाबले में टीम इंडिया सीरीज अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी, जबकि इंग्लैंड वापसी की कोशिश करेगा।

सरकार ने सेवा सूचकांक किया जारी, अप्रैल में 14 उप-क्षेत्रों में दहाई अंक में वृद्धि दर्ज

एजेंसी
नई दिल्ली। सरकार ने पहला उप-क्षेत्रवार आधारित सेवा उत्पादन परीक्षण सूचकांक को जारी किया है। इससे पता चलता है कि अप्रैल, 2026 में संगठित सेवा क्षेत्र के 19 में से 14 उप-क्षेत्रों में दहाई अंक में वृद्धि दर्ज छुट्टियांव मौसमी आयोजन हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में अप्रैल 2026 के लिए 19 उप-क्षेत्रों के लिए सेवा उत्पादन सूचकांक का पहला संस्करण जारी किया है। इसमें 14 उप-क्षेत्रों में दहाई अंक में वृद्धि दर्ज हुई है। इसके बाद हर महीने की 29 तारीख को सेवा उत्पादन सूचकांक-आईएसपी जारी किया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक इन उप-क्षेत्रों में थोक व्यापार, खुदरा, आवास और भोजन, सड़क परिवहन, हवाई परिवहन, दूरसंचार और बैंक शामिल हैं। ये सेवा क्षेत्र का लगभग 60 फीसदी हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। परीक्षण के तौर पर जारी सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) का आधार वर्ष 2024-25 है। इसके अनुसार रेलवे और हवाई परिवहन को छोड़कर, सभी श्रेणी में अप्रैल, 2026 में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा, ''सेवा उत्पादन सूचकांक भारत की सांख्यिकी प्रणाली को मजबूत करने और सेवा क्षेत्र के माप को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सेवा क्षेत्र का देश की आर्थिक गतिविधियों में हिस्सेदारी आधे से अधिक है।''

जीएसटी अधिकारियों की अपील पर दुकानदार चाइनीस मांझा बिक्री न करने पर सहमत

बिजनौर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन नजीबाबाद के कार्यक्रम में जीएसटी विभाग अधिकारियों की एक संवाद गोष्टी अग्रवाल धर्मशाला नजीबाबाद में मंगलवार को आयोजित की गई। जिसमें प्रमुख जीएसटी डिप्टी कमिश्नर शैलेंद्र सिंह ने शासन के आदेश अनुसार चाइनीज मांझे के बारे में पूर्ण रूप से बंद करने के लिए कहा। चाइनीस मांझे से आए दिन होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए व्यापारी से सहयोग की अपील की है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ के नेतृत्व में काफी संख्या में व्यापारियों ने चाइनीस मांझे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर राजपाल सिंह राज्य कर अधिकारी खंड नजीबाबाद जीएसटी, राज्य कर अधिकारी तरमिनदर सिंह, जीएसटी राज्य कर अधिकारी दुर्विजय सिंह, नगर अध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी, नगर सचिव धीरज झा, जिला महासचिव रईस कुरैशी, युवा नगर अध्यक्ष शेर अली, शाखा अध्यक्ष मोनू टाटा, शाखा अध्यक्ष आसिफ, शाखा अध्यक्ष शाहबाज, शाखा अध्यक्ष असलम अब्बासी, अंशुल मेहरा, पंकज अग्रवाल, अमित अग्रवाल, शेखर कुमार, हाजी विशाल कुरैशी आदि मौजूद रहे।

भारत-मालदीव के बीच एफटीए की वार्ता का पहला दौर आठ तकनीकी सत्रों में पूरा

नई दिल्ली। भारत और मालदीव के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की वार्ता का पहला दौर पूरा हो गया है। दोनों देशों के बीच एफटीए पर बातचीत में आठ तकनीकी सत्रों के दौरान महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। दोनों देशों के बीच यह वार्ता 29 जून से 7 जुलाई तक वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक भारतीय वार्ता टीम का नेतृत्व वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार उज्ज्वल कुमार घोष ने किया, जबकि मालदीव प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उसके मुख्य वार्ताकार यूसुफ रिजा ने किया। इस वार्ता के पहले दौर के दौरान दोनों पक्षों की वार्ता टीमों ने आठ नीतिगत क्षेत्रों को शामिल करते हुए आठ तकनीकी सत्रों में लिखित चर्चा में भाग लिया। दोनों पक्षों ने वार्ता के दौरान सभी पहलुओं पर ठोस प्रगति की और कई मुद्दों पर व्यापक सहमति बनी। इससे पहले 8 जुलाई को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मालदीव के आर्थिक विकास, परिवहन एवं व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने इस दौरान भारत-मालदीव मुक्त व्यापार समझौता बातचीत सहित चल रही द्विपक्षीय आर्थिक पहलों की प्रगति की समीक्षा की।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंचा कच्चा तेल, ब्रेंट क्रूड 87.54 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव और होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण करने की अमेरिका और ईरान की कोशिश की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। इस तनाव की वजह से ब्रेंट क्रूड आज 87 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर एक महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने आज

0.48 डॉलर प्रति बैरल की मामूली उछाल के साथ 83.78 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में इसकी कीमत पांच प्रतिशत से भी ज्यादा उछल कर 87.54 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, बाद में इसकी कीमत में मामूली गिरावट भी आई। भारतीय समय के मुताबिक शाम छह बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 4.14 डॉलर प्रति बैरल यानी 4.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 87.44 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

मध्य पूर्व में तनाव से सोने और चांदी में कमजोरी, कीमतें करीब आधा प्रतिशत तक लुढ़कीं

एजेंसी
मुंबई। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को गिरावट देखने को मिली। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब आधा प्रतिशत कम हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जारी कीमतों के मुताबिक, सोना 5 अगस्त, 2026 का फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,42,257 रुपए के मुकाबले 1,109 रुपए की कमजोरी के साथ 1,41,148 रुपए पर खुला। सुबह 9:54 पर यह 607 रुपए या 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,41,650 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,40,740 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,41,695 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। सोने के साथ चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। चांदी का 04 सितंबर, 2026 का फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट

पिछली क्लोजिंग 2,23,189 रुपए के मुकाबले 2,21,926 रुपए पर खुला। अब तक के कारोबार में यह 609 रुपए या 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,22,580 रुपए पर था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में बिकवाली देखी जा रही है। सोना 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,040 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58.84 डॉलर प्रति औंस पर था। जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह मध्य पूर्व में जारी तनाव होना है, जिसके चलते डॉलर इंडेक्स 100 के पार बना हुआ है। यह दोनों की कीमती धातुओं की कीमतों को बढ़ाने का काम कर रहा है। इसके अतिरिक्त, वैश्विक बाजारों से मजबूत संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ खुला।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी करीब आधा प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। ज्यादातर वैश्विक बाजारों में तेजी देखी जा रही है। टोक्यो, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता हरे निशान में थे। केवल शंघाई लाल निशान में था। अमेरिकी शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जिसमें प्रमुख सूचकांक डाओ जोन्स मामूली तेजी के साथ और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक 0.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड का आईपीओ पहले दिन 68 फीसदी हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी
नई दिल्ली। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड के आईपीओ को बेहतर रिस्पॉन्स मिला है। बोली लगाने के लिए खुले इस इश्यू को कुल 68 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला। गैर संस्थागत निवेशकों ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई, जबकि खुदरा निवेशकों की ओर से भी अच्छी मांग देखने को मिली। कंपनी इससे पहले एंकर निवेशकों से 2663 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक ऑफर किए गए 12,45,63,536 इक्विटी शेयरों के मुकाबले इस इश्यू को 8,50,65,656 इक्विटी शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। इसमें गैर-संस्थागत हिस्सा और खुदरा हिस्सा को क्रमशः 1.39 गुना और 0.62 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। वहीं, योग्य संस्थागत निवेशक (क्यूआईबी) के हिस्से को 0.08 गुना सब्सक्राइब किया गया, जबकि कर्मचारियों के लिए आरक्षित कोटे को भी 1.02 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 14 जुलाई को खुला है, जो गुरुवार, 16 जुलाई, 2026 को बंद होगा। आईपीओ खुलने से एक दिन पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से लगभग 2,663 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट की एंकर बुक में अलग-अलग जगहों और निवेशक श्रेणी के 129 बड़े निवेशकों ने हिस्सा लिया, जो कंपनी के बिजनेस मॉडल, लंबी अवधि की ग्रोथ स्ट्रैटेजी और भारत में एसेट मैनेजमेंट के बढ़ते मौकों पर व्यापक भरोसे को दिखाता है। ब्रोकरेज हाउस एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड में निवेश करने के लिए सलाह दे रहे हैं। विशेषकर आनंद राठी, चोला सिक्योरिटीज, कांतिलाल छगनलाल सिक्योरिटीज, अरिहंत कैपिटल, एसएमआईएफएस लिमिटेड और वेंचुरा सिक्योरिटीज जैसी प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों ने एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के लिए सब्सक्राइब करने की सलाह दी है।

एचपीसीएल ने पेट्रोल की गुणवत्ता के लिए पूरे देश में किए 3,500 से ज्यादा निरीक्षण

नहीं मिला ईंधन में मिलावट का एक भी मामला

एजेंसी
नई दिल्ली। देश भर में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अपने व्यापक गुणवत्ता निगरानी अभियान के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी ने कहा कि देश भर में अपने रिटेल आउटलेट्स पर एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर निरीक्षण और परीक्षण किए गए। इस दौरान ईंधन में मिलावट, प्रदूषण या गुणवत्ता संबंधी किसी भी गंभीर अनियमितता का एक भी मामला सामने नहीं आया। एचपीसीएल ने एक बयान में कहा कि 7 जुलाई से 13 जुलाई 2026 के बीच कंपनी के फील्ड अधिकारियों ने देश भर के 2,173 पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण किए, ताकि एथेनॉल ब्लेंडिंग के नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, 3 जुलाई से 13 जुलाई 2026 के बीच नियमित गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम के तहत 1,385 नियमित निरीक्षण भी किए गए। कंपनी ने बताया कि निगरानी

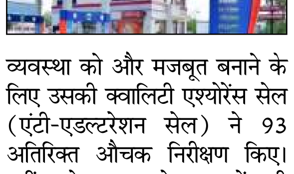

व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए उसकी क्वालिटी एश्योरेंस सेल (एंटी-एडल्टरेशन सेल) ने 93 अतिरिक्त औचक निरीक्षण किए। वहीं, मोबाइल प्रयोगशालाओं की मदद से 49 ईंधन नमूनों की जांच भी की गई। सभी परीक्षणों में ईंधन निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाया गया और कहीं भी मिलावट, दूषण या गुणवत्ता संबंधी किसी भी प्रकार की गंभीर गड़बड़ी नहीं मिली।

एचपीसीएल का कहना है कि कंपनी पूरे देश में ईंधन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बहु-स्तरीय गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली अपनाती है। इसके तहत नियमित फील्ड निरीक्षण, अचानक जांच, प्रयोगशाला परीक्षण और लगातार निगरानी की जाती है, ताकि उपभोक्ताओं तक निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाला ईंधन पहुंच सके। कंपनी ने दोहराया कि उसका उद्देश्य देश भर में अपने सभी रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से ग्राहकों को सुरक्षित, भरोसेमंद और उच्च गुणवत्ता वाला ईंधन उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम लगातार जारी रहेगा, ताकि ईंधन की शुद्धता और गुणवत्ता को लेकर उपभोक्ताओं का भरोसा कायम रहे।

रिफाइनिंग कंपनियों का 'सुनहरा दौर' शुरू, मजबूत मांग से होगा फायदा - रिपोट

एजेंसी
मुंबई। एशिया में मौजूद रिफाइनिंग कंपनियां अपने सुनहरे दौर में प्रवेश कर रही हैं और मजबूत मांग विशेषकर डीजल से इन कंपनियों को बेहतर मार्जिन हासिल करने मदद मिलेगी। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। अमेरिकी ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि मार्केट भविष्य में रिफाइनिंग क्षमता में होने वाली बढ़ोतरी का अधिक अनुमान लगा रहा है, जबकि मौजूदा क्षमता में आने वाली रुकावटों को कम करके आंक रहा है। इससे आपूर्ति और मांग का संतुलन और सख्त हो जाएगा, जिससे मध्यम अवधि में रिफाइनिंग मार्जिन को सहारा मिलने का अनुमान है। ब्रोकरेज ने अनुमान लगाया कि विश्व में 23 लाख बैरल प्रति दिन से अधिक की प्रस्तावित रिफाइनिंग क्षमता में देरी या ऑपरेशन से जुड़ी चुनौतियां आ सकती हैं, जिससे प्रोडक्ट मार्केट उम्मीद से ज्यादा सख्त बने रह सकते हैं।

साथ ही, उम्मीद से अधिक ईंधन की मांग खासकर डीजल की

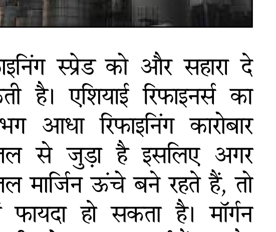

रिफाइनिंग स्प्रेड को और सहारा दे सकती है। एशियाई रिफाइनर्स का लगभग आधा रिफाइनिंग कारोबार डीजल से जुड़ा है इसलिए अगर डीजल मार्जिन ऊंचे बने रहते हैं, तो उन्हें फायदा हो सकता है। मॉर्गन स्टेनली ने भारत, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया की रिफाइनरी कंपनियों को अपनी पंसद बताया है और कहा रिफाइनिंग मार्केट में कठिन हालात का फायदा उठाने के मामले में इन देशों कंपनियां अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं।

ब्रोकरेज फर्म ने अपनी रिपोर्ट में एशिया की जिन रिफाइनिंग कंपनियों का नाम लिया, उनमें भारत की हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन शामिल हैं। इस रिपोर्ट के बाद रिफाइनिंग कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली। दोपहर 12 बजे हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के शेयर 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 394 रुपए, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के शेयर 1.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 308 रुपए और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के शेयर 2.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 140 रुपए पर थे।

नई किआ सेल्टोस ने बदली प्रीमियम एसयूवी की तस्वीर, डिजाइन से सुरक्षा तक हर मोर्चे पर बड़ा बदलाव

एजेंसी
नई दिल्ली। किआ ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी सेल्टोस की नई पीढ़ी को पहले से अधिक आकर्षक, आधुनिक और सुविधाओं से भरपूर स्वरूप में पेश किया है। भारतीय बाजार में वर्ष 2019 में पहचान बनाने वाली सेल्टोस ने मध्यम आकार की एसयूवी श्रेणी में अपनी अलग जगह बनाई थी। वर्ष 2023 में आए नए संस्करण के बाद अब कंपनी ने नई पीढ़ी की सेल्टोस को अधिक बड़े आकार, आधुनिक तकनीक, बेहतर सुरक्षा और परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया है।

नई सेल्टोस का बाहरी स्वरूप पहले की तुलना में अधिक दमदार दिखाई देता है। कंपनी ने इसे नए डिजाइन सिद्धांत के अनुरूप तैयार किया है, जिससे वाहन की सड़क पर मौजूदगी और प्रभावशाली हो गई है। नया मॉडल पहले से लंबा, चौड़ा और अधिक व्हीलबेस के साथ आया है, जिससे अंदर बैठने वालों को अधिक स्थान मिलता है। सामने की ओर नई ग्रिल, आधुनिक एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप और विशिष्ट डे-टाइम रनिंग लाइट्स इसे अलग पहचान देती हैं।

वाहन के किनारों पर मजबूत बॉडी लाइन, नए मिश्रधातु पहिए और

स्वचालित बाहर आने वाले दरवाजों के हैंडल इसे प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हैं। इसके अलावा दो हिस्सों में खुलने वाली विशाल कांच की छत के कारण केबिन अधिक खुला और रोशनी से भरपूर महसूस होता है। पीछे की ओर जुड़ी हुई एलईडी टेल लाइट, नया बंपर और एकीकृत स्पॉइलर इसकी आधुनिक पहचान को और मजबूत बनाते हैं। नई सेल्टोस का केबिन पूरी तरह नए स्वरूप में तैयार किया गया है। लंबे व्हीलबेस के कारण पीछे बैठने वाले यात्रियों के लिए पहले से अधिक लेगरूम उपलब्ध कराया गया है, जिससे लंबी यात्राएं अधिक आरामदायक बनती हैं। डैशबोर्ड पर एकीकृत डिजिटल डिस्प्ले व्यवस्था दी गई है, जिसमें चालक सूचना पटल, स्पर्श आधारित मनोरंजन प्रणाली और दो क्षेत्रों वाले स्वचालित तापमान नियंत्रण की अलग स्पर्श प्रणाली को एक साथ जोड़ा गया है। इससे केबिन का स्वरूप अधिक आधुनिक और व्यवस्थित दिखाई देता है।चालक के लिए विद्युत समायोजन वाली सीट, कमर सहारा, स्मृति सुविधा और बाहरी शीशों की स्मृति व्यवस्था दी गई है। आगे की सीटों में हवा प्रवाह की सुविधा और विश्राम मोड भी उपलब्ध कराया गया है। पीछे बैठे यात्रियों के लिए वातानुकूलन वेंट, विभिन्न चार्जिंग सुविधा और बेहतर बैठने की व्यवस्था दी गई है। दैनिक उपयोग और लंबी यात्राओं को ध्यान में रखते हुए वाहन में 447 लीटर क्षमता का सामान रखने का स्थान दिया गया है। साथ ही पीछे की सीटों को अनुपात के अनुसार मोड़ने की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे अतिरिक्त सामान रखने में आसानी होती है। नई सेल्टोस में उन्नत संपर्क तकनीक का समावेश किया गया है। वाहन में दूर से विभिन्न सुविधाओं का संचालन करने की क्षमता के साथ सॉफ्टवेयर को बिना सेवा केंद्र गए अद्यतन करने की सुविधा भी उपलब्ध है। मनोरंजन प्रणाली में बिना तार वाले एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले का समर्थन दिया गया है। इसके अलावा आठ स्पीकर वाला प्रीमियम ध्वनि तंत्र, बिना तार मोबाइल चार्जिंग, पुश बटन स्टार्ट और दो क्षेत्रों वाले तापमान नियंत्रण की स्पर्श प्रणाली जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं।

आरबीआई ने बैंक बोर्ड के संचालन मानदंडों में संशोधन किया, नए नियम एक अक्टूबर से होंगे प्रभावी

एजेंसी
नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीअई) ने बैंक निदेशक मंडल के सामने रखे जाने वाले मामलों में अंतिम संशोधनों की घोषणा की है। आरबीआई के नये नियम इस साल एक अक्टूबर से लागू होंगे। इसका मकसद बैंकों में कामकाज को आसान बनाना है।

आरबीआई ने जारी एक अधिसूचना में बताया कि नए नियम इस साल एक अक्टूबर से लागू होंगे। आरबीआई ने कहा कि नियमों का नया सेट सिद्धांतों पर आधारित है। इसका मकसद बैंक निदेशक मंडल (बोर्ड) को यह स्वतंत्रता देना है कि वे हर बैंक की खास प्राथमिकताओं के आधार पर अपना एजेंडा तय कर सकें। हालांकि, आरबीआई ने यह भी साफ किया कि जोखिम, नियमों का पालन, वित्तीय प्रदर्शन और ग्राहकों की सुरक्षा जैसे अहम मामलों पर बोर्ड की निगरानी बनी रहेगी। केंद्रीय बैंक के बदले हुए नए नियमों के मुताबिक बैंक बोर्ड बैठकों में लिए गए फैसलों को लागू करने का तरीका खुद तय कर सकता है। केंद्रीय बैंक ने कार्रवाई रिपोर्ट व्यवस्था को जारी

रखने के सुझाव को स्वीकार नहीं किया। केंद्रीय बैंक ने संबंधित पक्षों की राय के आधार पर महत्वपूर्ण मामलों को परिभाषित करने की जरूरत को खत्म कर दिया है। यह उम्मीद की जाती है कि बैठक का एजेंडा तय करने के लिए पूरे बोर्ड से सलाह ली जाएगी। हालांकि, यह साफ कर दिया गया है कि इसकी मुख्य जिम्मेदारी चेयरमैन की होगी।

रॉयल एनफील्ड के ग्राहकों को झटका, गुरिल्ला 450 की कीमतों में हुआ इजाफा

एजेंसी
नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड ने अपनी लोकप्रिय मोटरसाइकिल गुरिल्ला 450 की कीमतों में बढ़ोतरी कर ग्राहकों को झटका दिया है। कंपनी ने अलग-अलग वैरिएंट्स के आधार पर इस मोटरसाइकिल की एक्स-शोरूम कीमतों में 1,869 रुपये से लेकर 2,044 रुपये तक का इजाफा किया है। हालांकि, कीमतों में बदलाव के अलावा मोटरसाइकिल के डिजाइन, इंजन, फीचर्स और अन्य तकनीकी पहलुओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। इंजन और प्रदर्शन में नहीं हुआ कोई बदलाव गुरिल्ला 450 में पहले की तरह 452 सीसी का लिक्विड-कूल्ड, सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है। यह इंजन 39 बीएचपी की अधिकतम शक्ति और 40 न्यूटन मीटर का अधिकतम टॉर्क उत्पन्न करता है। मोटरसाइकिल स्टील ट्विन-स्पार फ्रेम पर तैयार की गई है। बेहतर संतुलन और आरामदायक सफर के लिए आगे की ओर इनवर्टेड

फोर्क तथा पीछे की ओर मोनोशॉक सस्पेंशन का इस्तेमाल किया गया है।

फीचर्स पहले जैसे ही मिलेंगे

कीमत बढ़ने के बावजूद कंपनी ने फीचर्स में कोई बदलाव नहीं किया है। गुरिल्ला 450 में गोल आकार का 5 इंच का टीएफटी डिस्प्ले मिलता है, जो स्मार्टफोन कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। इसमें कॉल और संदेश की जानकारी के साथ टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। रोजमर्रा की सवारी और शहर के उपयोग को ध्यान में रखते हुए इसमें आधुनिक तकनीक और उपयोगी सुविधाएं बरकरार रखी गई हैं।कंपनी ने सबसे अधिक बढ़ोतरी ब्रावा ब्लू वैरिएंट की कीमत में की है, जिसमें 2,044 रुपये का इजाफा हुआ है। इसके बाद शैडो ऐश वैरिएंट 2,003 रुपये महंगा हो गया है। एपेक्स ग्रीन वैरिएंट की कीमत 1,922 रुपये बढ़ाई गई है, जबकि एपेक्स रेड और ट्वाइलाइट ब्लू वैरिएंट्स के दाम 1,869 रुपये बढ़ाए गए हैं। कुछ अन्य वैरिएंट्स की कीमतों में फिलहाल किसी बदलाव की जानकारी सामने नहीं आई है। कीमतों में संशोधन के बाद एपेक्स रेड और ट्वाइलाइट ब्लू वैरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 2,49,194 रुपये से बढ़कर 2,51,063 रुपये हो गई है। एपेक्स ग्रीन वैरिएंट अब 2,58,309 रुपये में उपलब्ध होगा, जबकि पहले इसकी कीमत 2,56,387 रुपये थी।

वहीं, शैडो ऐश वैरिएंट की कीमत 2,67,116 रुपये से बढ़कर 2,69,119 रुपये हो गई है। ब्रावा ब्लू वैरिएंट अब 2,74,523 रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 2,72,479 रुपये थी। कीमतों में हुई इस बढ़ोतरी के बाद गुरिल्ला 450 खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को अब पहले की तुलना में अधिक राशि खर्च करनी होगी। हालांकि, कंपनी ने मोटरसाइकिल के प्रदर्शन और फीचर्स में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे यह अपने मौजूदा स्वरूप में ही बाजार में उपलब्ध रहेगी।

भारत-ब्रिटेन सीईटीए लागू, 99 फीसदी भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) आज से लागू हो गया। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा समझौता, जिसे दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) कहा जाता है, भी लागू हो गया। इससे ब्रिटेन में भारतीय प्रोफेशनल्स की आवाजाही और कॉम्पिटिटिवनेस को बढ़ावा मिलेगा। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर 24 जुलाई, 2025 को हस्ताक्षर किए गए थे। यह ऐतिहासिक समझौता दोनों देशों के बीच

व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस करार से भारत के करीब 99 फीसदी निर्यात को ब्रिटिश बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। आर्थिक मामलों के जानकार इसे पिछले कुछ वर्षों में भारत के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौतों में से एक मान रहे है। वहीं, सरकार का दावा है कि इससे किसानों, श्रमिकों, एमएसएमई, निर्यातकों और सेवा क्षेत्र को जबरदस्त लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है। इससे पहले भारत मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है। उल्लेखनीय है कि भारत-ब्रिटेन के बीच सीईटीए लागू होने से भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और किसानों, उद्योगों, महिला उद्यमियों, स्टार्टअप तथा युवा पेशेवरों को नए अवसर मिलेंगे। इस करार से भारत के करीब 99 फीसदी निर्यात को ब्रिटिश बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इसके अलावा ब्रिटेन से आने वाले कई उत्पादों पर आयात शुल्क घटाया जाएगा। इससे कीमतों में कमी आएगी।

कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स का आईपीओ 17 जुलाई को खुलेगा, प्राइस बैंड 402-424 प्रति शेयर

एजेंसी
मुंबई। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 17 जुलाई को खुलेगा। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 21 जुलाई तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 402-424 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 402-424 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के 450 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में 400 करोड़ रुपये तक का फ्रेश इश्यू और मौजूदा शेयरधारकों के 50 करोड़ रुपये तक का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। कंपनी के अनुसार 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 35 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 35 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। इसके शेयरों के अलॉटमेंट को 22 जुलाई तक अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। इसके शेयरों की लिस्टिंग एनएसई और बीएसई दोनों पर 24 जुलाई, 2026 को होने की संभावना है।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.20 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में सीजफायर खत्म होने के बाद बढ़े तनाव, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी और डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत में आई बड़ी गिरावट के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार निगेटिव सेंटिमेंट्स के बीच कारोबार होता रहा। निगेटिव सेंटिमेंट्स की वजह से पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.72 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। बाजार की कमजोरी की वजह से आज दिनभर के कारोबार के बाद शेयर बाजार के निवेशकों के लगभग 2.20 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। शुरुआती दस मिनट में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली रिकवरी भी की। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे बाजार की चाल लुढ़कती चली गई। हालांकि खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाकर बाजार को सहारा देने की कोशिश की। दिन के पहले सत्र के दौरान इस लिवाली के सपोर्ट से बाजार की चाल में उतार-चढ़ाव भी होता रहा लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि खरीदारों की कोई कोशिश सफल नहीं हो सकी। बीएसई का सेंसेक्स आज 344.06 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,272.34 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद यह सूचकांक पहले 10 मिनट में ही ओपनिंग लेवल से करीब 130 अंक की रिकवरी कर 77,402.79 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में गिरावट आने लगी। दोपहर 11:30 बजे तक बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बाद बिकवालों ने चौतरफा दबाव बना दिया, जिससे सेंसेक्स गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 614.92 अंक टूट कर 77,001.48 अंक के स्तर तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 561.46 अंक की गिरावट के साथ 77,054.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 143 अंक यानी 0.59 प्रतिशत टूट कर 24,068 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 90 अंक सुधर कर 24,157.10 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे निफ्टी की चाल में गिरावट आने लगी। दिन के पहले सत्र में ज्यादातर समय लिवालों और बिकवालों की खींचतान की वजह से बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में चौतरफा बिक्री शुरू हो गई, जिससे निफ्टी फिसलता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 187.30 अंक लुढ़क कर 24,023.70 अंक के स्तर तक गिर गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली खरीदारी के कारण निफ्टी दिन के निचले स्तर से करीब 30 अंक की रिकवरी कर 158.95 अंक की कमजोरी के साथ 24,052.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ज्यादातर सेक्टर्स में बिकवाली का दबाव बना रहा। रियल्टी, बैंकिंग और आईटी सेक्टर के शेयरों की आज लगातार बिक्री होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, मीडिया, इंफ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी और कंज्यूमर ड्युरेबल्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज लगातार खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉल कैप इंडेक्स ने 1.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

यूक्रेन के लिए जून रहा घातक, रूसी हमले में 293 नागरिक मारे गए: संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी

कीव। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि अप्रैल 2022 के बाद इस साल जून का महीना यूक्रेनी नागरिकों के लिए सबसे घातक रहा। रूस ने युद्ध के मोर्चे से दूर शहरों पर हमले तेज कर दिए। इसका बहुत बुरा असर पड़ा। यूक्रेन में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार निगरानी मिशन ने बताया कि जून में कम से कम 293 यूक्रेनी नागरिक मारे गए। इस साल अब तक मारे गए नागरिकों की कुल संख्या लगभग 1,400 हो गई है। यह संख्या पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 37 प्रतिशत ज्यादा है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार निगरानी मिशन की प्रमुख डेनियल बेल ने कहा कि जून के आंकड़े भयावह और चिंताजनक हैं। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से लंबी दूरी की रूसी मिसाइलों के कारण हुई। इनको निप्रो, ओडेसा और राजधानी कीव जैसे शहरों की रिहायशी इमारतों पर दागा गया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, लंबी दूरी के हथियारों से नागरिकों के हताहत होने की संख्या में जनवरी से जून के बीच 60 फीसद की बढ़ोतरी हुई है।

नेपाल में यातायात नियम तोड़ने पर करना होगा श्रमदान, नया कानून लाने की तैयारी

काठमांडू। नेपाल सरकार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से जुर्माना वसूलने के बजाए अब श्रमदान कराने को लेकर नया कानून लाने की तैयारी कर रही है। इस आशय का विधेयक संसद में विचाराधीन है। नियमों के उल्लंघन करने पर जुर्माना राशि 50 हजार से लेकर 1 लाख रुपये करने के फैसले का सर्वत्र विरोध हो चुका है। सरकार ने तर्क दिया कि जुर्माना राशि बढ़ाने का फैसला दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से किया गया। आम आदमी पर इसका आर्थिक बोझ बढ़ने के कारण नए कानून का मसौदा तैयार किया गया। इस प्रस्तावित विधेयक में जुर्माना न चुकाने वालों से सरकारी श्रम शिविर में काम कराकर भी उसकी भरपाई कराई जा सकेगी। यातायातमंत्री सुनिल लम्साल ने प्रतिनिधि सभा की बैठक में सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। लम्साल ने कहा कि अभी नियम उल्लंघन पर जुर्माना बहुत कम है। एक बार में 50 हजार रुपये जुर्माना लगाने के पीछे सरकार की नीयत पैसे वसूलना नहीं बल्कि लोगों को ट्रैफिक नियम का पालन करने को लेकर और अधिक सचेत करना है।

रवि लामिछाने की मीडिया संस्थानों के गेट पर वाहन खड़ा करने की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने मीडिया संस्थानों के गेट के सामने वाहन खड़ा करने की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। यह मांग संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान की गई। उन्होंने कहा कि पार्टी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस गतिविधि में पार्टी के किसी नेता या कार्यकर्ता की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लामिछाने ने कहा, पार्टी पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुकी है। हमने आधिकारिक बयान जारी कर सबसे पहले कहा कि यह गलत है और ऐसा नहीं होना चाहिए। हमने इस मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है तथा अपने इस रुख पर कायम हैं। लामिछाने ने कहा, हम अपने स्पष्ट रुख पर अडिग हैं। फिलहाल किसी को छोड़ा गया या गिरफ्तार किया गया, कौन-सा मामला दर्ज हुआ या नहीं हुआ, यह अलग विषय है। लेकिन जो घटना सामने आई, वह असामान्य थी और इसी कारण पार्टी ने अपने बयान में जो कहा है, उसी पर वह दृढ़ता से कायम है।

नेपाल में सत्तारूढ़ दल के प्रमुख सचेतक ने संसद में किया सरकार का विरोध

काठमांडू। नेपाल के सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के मुख्य सचेतक प्रकाशचन्द्र परियार ने संसद में अपनी ही पार्टी के सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया है। मीडिया संस्थानों के प्रवेश द्वार पर वाहन खड़ा कर आवाजाही बाधित किए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए उन्होंने सरकार की जमकर आलोचना की।

प्रतिनिधि सभा की बैठक में परियार ने कहा कि केवल सत्ता में होने या किसी के स्वार्थ टकराने के कारण प्रेस पर किसी भी प्रकार का दबाव, भय या अराजकता स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए स्वतंत्र प्रेस की सुरक्षा करना सरकार की प्रमुख जिम्मेदारी है जिसमें सरकार खासकर गृहमंत्री असफल हुए हैं। उन्होंने कहा, हम सत्ता में हैं, इसका मतलब यह नहीं कि प्रेस पर किसी भी तरह का दबाव बनाया जाए। यदि हम स्वतंत्र प्रेस की रक्षा के लिए आगे नहीं आएंगे, तो फिर कौन आएगा?परियार ने कहा कि नेपाली प्रेस बंदूक की धमकियों से नहीं डरा, इसलिए कुछ वाहनों को खड़ा कर उसे डराया नहीं जा सकता। उन्होंने दोहराया कि आरएसपी पूर्ण प्रेस स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा के पक्ष में दृढ़ता से खड़ी है।

उन्होंने कहा, राजधानी में प्रमुख मीडिया संस्थानों के मुख्य प्रवेश द्वार पर वाहन खड़े कर उनकी आवाजाही रोकने और मीडिया संस्थानों को डराने का घृणित प्रयास किया गया। मैं इसकी कड़े शब्दों में निंदा करता हूँ। ऐसा कृत्य केवल वही लोग करते हैं जो सत्य से डरते हैं। लेकिन सत्य को छिपाने की कोशिश करना हथेली से सूरज ढकने जैसा है।

फिलिस्तीन के समर्थन में भारत ने दोहराई प्रतिबद्धता, दो राष्ट्र समाधान और यूएन में सदस्यता का किया समर्थन

एजेंसी

ब्रसेल्स। ब्रुसेल्स में आयोजित फिलिस्तीन डोनर ग्रुप (पीडीजी) की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत ने दो-राष्ट्र समाधान के प्रति अपना लगातार समर्थन दोहराया। साथ ही भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की सदस्यता के लिए फिलिस्तीन की सदस्यता का भी समर्थन किया। विदेश मंत्रालय की सचिव (सीपीवी एंड ओआईए) श्रीप्रिया रंगनाथन ने मीटिंग में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह मीटिंग यूरोपीय कमीशन और फिलिस्तीन अथॉरिटी ने मिलकर स्थानीय समयानुसार सोमवार को आयोजित की थी। मीटिंग में यूरोपीय संघ के सदस्य देशों, फिलिस्तीन और दूसरे जरूरी अंतरराष्ट्रीय साझेदारों और वित्तीय संस्थानों ने भी हिस्सा लिया। बैठक के दौरान सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि भारत लंबे समय से फिलिस्तीनी लोगों का विश्वसनीय साझेदार रहा है। उन्होंने दो-राष्ट्र समाधान के प्रति भारत के

निरंतर समर्थन और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की सदस्यता के लिए फिलिस्तीन की दावेदारी के समर्थन को दोहराया। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, उन्होंने फिलिस्तीन के लोगों के लिए भारत की निरंतर विकासात्मक सहायता, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और मानवीय मदद का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत की विकास परियोजनाएं फिलिस्तीन की आवश्यकताओं के अनुरूप संचालित की जाती हैं और उनका मुख्य फोकस स्वास्थ्य, शिक्षा, क्षमता निर्माण तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पर है। सचिव ने कहा कि भारत इस समय फिलिस्तीन में स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तिकरण और संस्थागत क्षमता निर्माण से जुड़े कई प्रमुख परियोजनाओं पर काम कर रहा है। उन्होंने पुनर्वास, स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर केंद्रित कई नई परियोजनाओं की भी घोषणा की। ब्रुसेल्स प्रवास के दौरान सचिव ने संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) की सलाहकार आयोग की आने वाली अध्यक्षता की ओर से आयोजित एक बैठक में भी हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने एजेंसी और फिलिस्तीन में उसके मानवीय प्रयासों के प्रति भारत के निरंतर समर्थन को दोहराया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा, 'भारत फिलिस्तीन के लोगों की मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने में ठोस योगदान देने वाला एक प्रतिबद्ध साझेदार बना हुआ है।' पिछले महीने भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला अबू शावेश ने विश्वास जताया था कि भारत दो-राष्ट्र समाधान का मजबूत समर्थक है। न्यूज एजेंसी से बातचीत में अब्दुल्ला अबू शावेश ने कहा, 'हमें पूरा विश्वास है कि भारत दो-राष्ट्र समाधान (टू-स्टेट सॉल्यूशन) का मजबूती से समर्थन करता है।

पाकिस्तान में दो बसों में टक्कर, पांच की मौत, 25 घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखूपुरा जिले के नारंग मंडी शहर में दो बसों की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। यह हादसा सिधनवाली स्टॉप के पास काला खटाई रोड पर हुआ। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लाहौर से शकरगढ़ जा रही बस एक मोटरसाइकिल को बचाने की कोशिश में सामने से आ रही दूसरी बस से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों बसें सड़क पर पलटते हुए खेतों में जा गिरीं। हादसे में पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। मृतकों व घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया। बचाव सूत्रों ने बताया कि तीन घायल यात्रियों की हालत गंभीर होने के कारण बाद में उन्हें लाहौर भेज दिया गया।

ट्रंप का बड़ा बयान : रूस पर नए प्रतिबंधों में ईरान और हिज्बुल्लाह को भी किया जा सकता है शामिल

एजेंसी

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम की ओर से समर्थित उस कानून में रूस पर लगाए जाने वाले कड़े प्रतिबंधों को बढ़ाकर ईरान और हिज्बुल्लाह को भी शामिल किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि भारत और चीन जैसे देशों से जुड़े प्रस्तावों पर अभी कोई चर्चा नहीं हुई है। व्हाइट हाउस में इराक के प्रधानमंत्री अली अल-जैदी के साथ बैठक के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह इस कानून पर हस्ताक्षर करेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि सांसद इस प्रतिबंध पैकेज का दायरा बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह कदम ग्राहम के सम्मान में उठाया जा सकता है, क्योंकि वह रूस के खिलाफ कड़े कदमों के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे। ट्रंप ने कहा, 'मुझे पता है कि लिंडसे इसे बहुत चाहते थे।'

उन्होंने आगे कहा कि? मुझे लगता है कि वे इसमें ईरान को भी जोड़ सकते हैं। वे ईरान को जोड़ेंगे, जो एक बहुत बड़ा कदम होगा। वे हिज्बुल्लाह को भी इसमें शामिल कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि इस प्रस्ताव पर अभी बातचीत चल रही है, लेकिन इसे आगे बढ़ाने के लिए काफी समर्थन दिखाई दे रहा है।उन्होंने कहा कि हम इस पर विचार कर रहे हैं, लेकिन वे इसे गंभीरता से आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। यह लिंडसे के सम्मान में है, और यह उनका सबसे बड़ा मुद्दा था। वह इसे किसी भी दूसरी चीज से ज्यादा चाहते थे।'

उन्होंने कहा, 'इस बात की अच्छी संभावना है कि यह हो जाएगा।' जब उनसे पूछा गया कि क्या इस कानून में भारत और चीन जैसे देशों पर लगाए जाने वाले द्वितीयक प्रतिबंध भी शामिल होंगे, तो ट्रंप ने कहा कि अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, 'अगर यह चीन, भारत और दूसरे देशों पर द्वितीयक प्रतिबंधों की बात है, तो हमें देखना होगा।

इस पर अभी चर्चा नहीं हुई है। 'यह बयान ट्रंप और इराकी प्रधानमंत्री के बीच इराक, ईरान और मध्य-पूर्व के मुद्दों पर हुई लंबी बातचीत के दौरान आया। ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि क्षेत्र में ईरान का प्रभाव काफी कमजोर हो गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मध्य-पूर्व अब एक साथ आ रहा है। 'ट्रंप ने कहा, 'हम मध्य-पूर्व के दबंग को हटा रहे हैं। ईरान मध्य-पूर्व का दबंग था। उसने इराक और हर दूसरे देश को डराया-धमकाया। उन्होंने आगे कहा कि अब कोई डर नहीं है, क्योंकि उनकी सैन्य ताकत को बहुत नुकसान पहुंचा है।

ट्रंप की ईरान को चेतावनी, परमाणु ठिकानों पर हलचल हुई तो अमेरिका करेगा फिर बड़ा हमला

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के 'पिकएक्स माउंटेन' परमाणु स्थल पर होने वाली हर गतिविधि पर लगातार नजर रख रहा है। अगर वहां थोड़ी सी भी संदिग्ध हलचल दिखाई देती है, तो अमेरिका तुरंत कार्रवाई करेगा और जोरदार हमला करेगा। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी स्पेस फोर्स की निगरानी प्रणाली इस परमाणु स्थल पर लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा, 'हमें जानकारी मिली कि वहां थोड़ी गतिविधि देखी गई है, इसलिए हम 'पिकएक्स' पर लगातार नजर रख रहे हैं।' ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास इतनी आधुनिक निगरानी तकनीक है कि अंतरिक्ष से किसी व्यक्ति के नाम वाला बैज तक पढ़ा जा सकता है। जिन अन्य ईरानी परमाणु ठिकानों पर पहले अमेरिकी हमले हुए थे, वे भी लगातार निगरानी में हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ शब्दों में कहा, 'अगर उन्होंने कोई भी कदम उठाया, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, तो हम तुरंत वही करेंगे जो जरूरी होगा।'

इंटरव्यू के दौरान फॉक्स न्यूज के पत्रकार ने सवाल किया कि कुछ सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी बंकर-बस्टर बम शायद 'पिकएक्स माउंटेन' जैसे गहरे भूमिगत परमाणु केंद्र को पूरी तरह नष्ट नहीं कर पाएंगे। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया, 'हमारे पास बेहद शक्तिशाली हथियार हैं। वे काफी गहराई तक हमला कर सकते हैं।'

हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान वास्तव में पिकएक्स स्थल पर कोई परमाणु गतिविधि चला रहा है या नहीं। उन्होंने बताया कि फिलहाल वहां बहुत कम गतिविधि दिखाई दे रही है, लेकिन अगर थोड़ी भी हलचल बढ़ी तो अमेरिका तुरंत हमला करेगा। इंटरव्यू में ट्रंप ने तेहरान के बाहर स्थित तालेघान परमाणु केंद्र का भी जिक्र किया, जिसे पहले अमेरिकी हमलों में निशाना बनाया गया था। इस दौरान पत्रकार ने उन्हें 22 जून और 7 जुलाई की सैटेलाइट तस्वीरें दिखाईं। नई तस्वीरों में ट्रकों, क्रेनों और ताजा डाले गए कंक्रीट जैसी गतिविधियां दिखाई दे रही थीं।

ट्रंप ने कहा कि उन्हें जानकारी दी गई है कि ईरान ने इस केंद्र के प्रवेश द्वारों को कंक्रीट से बंद कर दिया है ताकि वहां पहुंचना मुश्किल हो जाए। उन्होंने कहा, 'यही बताया गया है कि उन्होंने प्रवेश द्वार बंद करने के लिए कंक्रीट डाला है, ताकि हम अंदर न जा सकें।'

हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका तालेघान केंद्र पर दोबारा हमला करने में बिल्कुल देर नहीं लगाएगा।

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन पहली बार अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे, 8 महीने के मिशन पर गए हैं आईएसएस

एजेंसी

वॉशिंगटन। भारतीय मूल के नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन आठ महीने के अपने पहले अंतरिक्ष मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गए हैं। वे रूस के सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान से उड़ान भरने के बाद सुरक्षित रूप से आईएसएस पहुंचे, जहां वे वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी संबंधी प्रयोगों में हिस्सा लेंगे। कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपण के बाद करीब तीन घंटे और दो ऑर्बिट की यात्रा पूरी कर सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान दोपहर 1:52 बजे (ईडीटी) आईएसएस के प्रिचल मॉड्यूल से जुड़ा। मेनन के साथ रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना भी ऑर्बिटल प्रयोगशाला पहुंचे। इससे पहले तीनों अंतरिक्ष यात्री सुबह 10:47 बजे (ईडीटी) यानी स्थानीय समयानुसार शाम 7:47 बजे बैकोनूर से रवाना हुए थे। उनके आईएसएस पहुंचने के बाद अगले लगभग दो सप्ताह के लिए स्टेशन पर क्रू सदस्यों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। लॉन्च से पहले, मेनन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया था, 'यूनाइटेड स्टेट्स स्पेस फोर्स की सेवा करने और नासा तथा हमारे अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के समर्थन में आज इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरने पर गर्व है!' उन्होंने एक और पोस्ट में लिखा, 'कजाकिस्तान से सोयुज एमएस-29 पर लॉन्च होने और नासा तथा एक्सपेडिशन 74/75 के समर्थन में आठ महीने के मिशन की शुरुआत करने को लेकर उत्साहित हूं। नासा कम्युनिटी, दोस्तों, परिवार और प्रियजनों का आभारी हूं और कल के लिए उत्साहित हू।' नासा के एस्ट्रोनॉट जेसिका मीर, जैक हैथवे और क्रिस विलियम्स; यूरोपियन स्पेस एजेंसी की एस्ट्रोनॉट सोफी एडेनोट; और रोस्कोस्मोस के कॉस्मोनॉट सर्गेई कुड-स्वेरचकोव, सर्गेई मिकाएव और आंद्रे फेड्याएव ने नए लोगों का स्वागत किया। इस मिशन को लेकर नासा की ओर से कहा गया कि मेनन, डुब्रोव और किकिना अप्रैल 2027 तक ऑर्बिटल लेबोरेटरी में रहेंगे। यह मेनन की अंतरिक्ष की पहली यात्रा है और डुब्रोव तथा किकिना दोनों के लिए यह दूसरा मिशन है। मिशन के दौरान मेनन वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन से जुड़े कई प्रयोग करेंगे, जिनका उद्देश्य मानव अंतरिक्ष अन्वेषण को आगे बढ़ाना और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाना है। वे अंतरिक्ष में सेमीकंडक्टर क्रिस्टल के उत्पादन को बेहतर बनाने संबंधी शोध करेंगे, जिससे हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम और बेहतर मेडिकल डिवाइस के लिए जरूरी कंपोनेंट्स का बड़े पैमाने पर निर्माण किया जा सकती है। मेनन ऑगमेंटेड रियलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तरीकों का इस्तेमाल करके अल्ट्रासाउंड भी करेंगे, जिससे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों में पृथ्वी से मेडिकल सपोर्ट की जरूरत खत्म हो सकती है। नासा ने कहा कि मेनन उन स्टडीज में टेस्ट सब्जेक्ट के तौर पर भी काम करेंगे जिनमें यह देखा जाएगा कि अंतरिक्ष में ब्लड फ्लो कैसे बदलता है। साथ ही, वे उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझने और इलाज के नए तरीकों को विकसित करने के लिए माइक्रोग्रैविटी में बायोप्रिंटिंग वैस्कुलर कंस्ट्रक्ट्स का टेस्ट भी करेंगे। नासा ने बताया कि ऑर्बिटल आउटपोस्ट पर अपना आठ महीने का साइंस मिशन पूरा करने के बाद विलियम्स, कुड-स्वेरचकोव और मिकाएव के जाने के बाद, 26 जुलाई को 'एक्सपीडिशन 75' शुरू होगा।

पाकिस्तान में ईशनिंदा के झूठे आरोप में फंसाए जा रहे ईसाई परिवार, मानवाधिकार संगठनों ने उठाई आवाज

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए काम करने वाले एक प्रमुख संगठन ने देश के ईशनिंदा (ब्लास्फेमी) कानूनों के दुरुपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की है। संगठन का आरोप है कि इन कानूनों का इस्तेमाल बढ़ते हुए व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने, संपत्ति हड़पने और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। वॉयस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी (वीओपीएम) के अनुसार, 9 जुलाई को कराची में एक बार फिर ऐसा ही चिंताजनक मामला सामने आया। आरोप है कि कुरान का एक कथित रूप से अपवित्र किया गया पन्ना एक दुकान पर डाक के जरिए भेजा गया, जिसके साथ एक ईसाई व्यक्ति अजीम जावेद और उनकी मां की तस्वीरें भी थीं। इस घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साई भीड़ मौके पर जमा हो गई, पुलिस पर पथराव किया गया और कई ईसाई परिवार अपने घरों में फंसकर रह गए। घटना की निंदा करते हुए मानवाधिकार संगठन ने कहा, 'यह केवल स्वतःस्फूर्त जनाक्रोश नहीं था। यह एक सुनियोजित साजिश जैसा प्रतीत होता है। आखिर कोई व्यक्ति कुरान का जला हुआ पन्ना अपनी ही तस्वीर और पहचान पत्र के साथ क्यों भेजेगा?' परिवार के एक करीबी सूत्र के हवाले से वीओपीएम ने कहा, 'कोई भी व्यक्ति जानबूझकर खुद को इतने गंभीर अपराध में नहीं फंसाएगा।' संगठन का कहना है कि यह घटना अजीम जावेद को झूठे मामले में फंसाने की एक सोची-समझी कोशिश लगती है, जिसके पीछे व्यक्तिगत या वित्तीय विवाद हो सकता है। वीओपीएम ने कहा, 'यही पाकिस्तान के ईशनिंदा कानूनों की सबसे बड़ी समस्या है। किसी आरोप को हिंसा भड़काने के लिए सबूत की जरूरत नहीं होती।

होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका के टोल प्रस्ताव का इटली ने किया विरोध

एजेंसी

रोम। इटली की सरकार ने समुद्री मार्गों से गुजरने पर किसी भी तरह का शुल्क लगाने का वि रोध करते हुए कहा कि समुद्री स्ट्रेट्स कोई इंसानों की बनाई संरचना नहीं है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस ऐलान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी मालवाहक जहाजों पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। ताजानी ने विदेश मंत्रालय में पत्रकारों से कहा, 'हम समुद्री रास्तों पर आजादी से आने-जाने के पक्ष में हैं। जिन जलडमरूमध्यों में इंसानों द्वारा बनाई गई संरचना नहीं है, वहां किसी भी तरह का शुल्क लगाने का हम विरोध करते हैं।' इटली की समाचार एजेंसी एडनक्रोनोस की रिपोर्ट के अनुसार, ताजानी की यह टिप्पणी ट्रंप के सोमवार के बयान के बाद आई। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका ईरान पर फिर से नौसैनिक नाकेबंदी लागू कर रहा है और होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में होने

वाले खर्च की भरपाई के लिए 'सभी मालवाहक जहाजों से 20 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा।

ताजानी ने कहा, 'स्वेज या पनामा का उदाहरण लीजिए, जहां इंसानों द्वारा बनाई गई नहरें हैं। वहां शुल्क देना ठीक है। लेकिन दूसरी जगहों पर जलडमरूमध्यों से गुजरने के लिए शुल्क लगाना एक खतरनाक मिसाल होगी, क्योंकि फिर दुनिया भर में ऐसे शुल्क लगाए जाने लगेंगे।' तजानी ने कहा कि इटली जैसे एक्सपोर्टर (जिसका एक्सपोर्ट जीडीपी का 40 प्रतिशत है) के लिए, ट्रांजिट स्ट्रेट पर टोल देना 'बिल्कुल भी मंजूर नहीं है।'

ताजानी ने कहा, 'हमारा मूल सिद्धांत समुद्री रास्तों पर आजादी से आवाजाही का है और हम इसी का समर्थन करते हैं। इसलिए हम जलडमरूमध्यों से गुजरने पर किसी भी तरह का शुल्क लगाने के खिलाफ हैं।' दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग संस्था, बाल्टिक एंड इंटरनेशनल मैरीटाइम काउंसिल (बीआईएमसीओ) ने भी चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ऐसा शुल्क लागू करता है, तो होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही और कम हो सकती है। यह जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार और तेल परिवहन मार्गों में से एक है। संस्था ने कहा कि हाल के दिनों में यहां जहाजों की आवाजाही फिर से लगभग ठप हो गई है। ट्रंप ने कहा कि खाड़ी के अमीर देशों को इस रणनीतिक रूप से बेहद अहम क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अमेरिका को भुगतान करना चाहिए। उनका कहना था कि अब अमेरिका मध्य पूर्व के तेल पर पहले की तरह निर्भर नहीं है, लेकिन फिर भी वह अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा का खर्च उठा रहा है।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि जिन देशों को अमेरिकी सैन्य अभियान से सुरक्षा मिल रही है, उन्हें भी इसका खर्च उठाने में हिस्सा देना चाहिए।

अमेरिका का ईरान पर बड़ा हमला, हॉर्मुज स्ट्रेट के पास 7 घंटे चली सैन्य कार्रवाई

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास और तटीय क्षेत्रों में दर्जनों ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए सात घंटे तक हमले किए। सेंटकॉम ने अपने एक बयान में कहा कि यह ऑपरेशन रात 10 बजे (अमेरिकी समयानुसार) खत्म हुआ। अमेरिकी लड़ाकू विमानों, ड्रोन और नौसैनिक जहाजों ने ईरान की मिसाइल और ड्रोन साइटों, नौसैनिक क्षमताओं और तटीय रक्षा प्रणालियों पर सटीक हमले किए। अमेरिकी कमांड के अनुसार, इन हमलों का उद्देश्य ईरान की उस क्षमता को कमजोर करना था, जिसके जरिए वह अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों और नागरिक चालक दल के लिए खतरा पैदा कर सकता है। हॉर्मुज स्ट्रेट वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ये हमले उसी दिन हुए जब अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों से आने-जाने वाले जहाजों के खिलाफ अपनी नाकाबंदी

फिर से शुरू की। यह नाकाबंदी अमेरिकी समयानुसार शाम 4 बजे लागू हुई।कमांड ने बताया कि मध्य पूर्व में अमेरिकी नौसेना के 20 से अधिक युद्धपोत और सैकड़ों सैन्य विमान तैनात थे। उसने कहा कि अमेरिकी सेना सतर्क, घातक और तैयार है। अमेरिकी कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि अमेरिकी सेना की यह हालिया कार्रवाई कमर्शियल जहाजों और पड़ोसी खाड़ी देशों पर ईरान के कई हमलों के जवाब में की गई है। कूपर ने कहा कि पिछले सात दिनों में, ईरान ने इस इलाके में जान-बूझकर आम नागरिकों को निशाना बनाते हुए सात कमर्शियल जहाजों पर हमले किए हैं, जिनमें लगभग एक दर्जन नागरिक क्रू मेंबर मारे गए, लापता हुए या घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि ईरानी सेना ने पड़ोसी खाड़ी देशों की ओर दर्जनों मिसाइलें और ड्रोन भी दागे हैं। कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने आगे कहा, 'अमेरिकी सेना ईरान को उस गैर-जरूरी आक्रामकता के लिए जिम्मेदार ठहरा रही है जिससे बेगुनाह लोगों की जान को खतरा बना हुआ है।

यूक्रेन में बड़ा राजनीतिक फेरबदल: राष्ट्रपति जेलेंस्की के निर्देश पर प्रधानमंत्री यूलिया स्विरिडेंको ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

कीव। रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के निर्देश पर प्रधानमंत्री यूलिया स्विरिडेंको ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यूक्रेनी संसद ने 14 जुलाई को मतदान के जरिए उनके इस्तीफे को औपचारिक मंजूरी भी दे दी। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि देश नई चुनौतियों और बदलती परिस्थितियों का सामना कर रहा है, इसलिए सरकार की राजनीतिक रणनीति में बदलाव किया जा रहा है। हालांकि उन्होंने अभी तक नए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की है। यूलिया स्विरिडेंको को जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। उन्हें अमेरिका के साथ बेहतर संबंधों के लिए जाना जाता है। उन्होंने राष्ट्रपति जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच ओवल ऑफिस में हुई तनातनी के बाद वाशिंगटन के साथ महत्वपूर्ण खनिज निवेश समझौते को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी। जेलेंस्की ने संकेत दिया है कि स्विरिडेंको को सरकार में नई जिम्मेदारी दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि उन्हें यूक्रेन के एक प्रमुख साझेदार देश के साथ संबंधों की जिम्मेदारी संभालने का प्रस्ताव दिया गया है, हालांकि उन्होंने उस देश का नाम नहीं बताया।

पाकिस्तान को बाढ़ के तेज होने से भारी नुकसान का अनुमान, सरकार की अधूरी तैयारियों पर गहराई चिंता

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मानसून बाढ़ का मौसम शुरू होने के साथ ही स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में बाढ़ की अधूरी तैयारी को लेकर चिंता जताई गई है। इस देरी के पीछे देश के मौजूदा वित्तीय संकट को एक बड़ा कारण बताया गया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया, 'संभावित बाढ़ से निपटने के लिए ठोस उपाय अभी पूरे नहीं हुए हैं। चल रहे वित्तीय संकट के कारण मॉनसून की तैयारी के लिए जरूरी फंड भी जारी नहीं किए गए हैं।' रिपोर्ट के अनुसार, रावलपिंडी में कई नालों से गाद नहीं निकाली गई है और लेह नाला इलाके में कई लोगों को कुछ समय के लिए दूसरी जगह भेज दिया गया। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों ने अपना कीमती सामान सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया है। इसमें यह भी बताया गया है कि जिन बिल्डिंग और दुकानों की छतें टपक रही हैं और दीवारें कमजोर हैं, उन्हें खाली करने के लिए लगातार नोटिस जारी होने के बाद भी खाली नहीं किया जाता है। हर मॉनसून में एक या दो बिल्डिंग थोड़ी या पूरी तरह से गिर जाती हैं और नोटिस सिर्फ ऐसी घटनाओं के लिए कार्रवाई के सबूत के तौर पर जारी किए जाते हैं।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कहा, 'खाली करने के नोटिस से जुड़े मामले कोर्ट में भी पेंडिंग हैं, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, किराएदारों के

साथ कथित मिलीभगत की वजह से सरकार उन पर असरदार तरीके से कार्रवाई नहीं करती है, जिससे बार-बार मामले टलते हैं।' इस बीच, स्थानीय मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में भारी बारिश से आई अचानक बाढ़ से बहुत ज्यादा तबाही हुई है। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, गिलगित-बाल्टिस्तान डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (जीबीडीएमए) ने कहा कि डायमर में छह जगहों पर अचानक बाढ़ आई। कई घरों और काराकोरम हाईवे (केकेएच) के साथ-साथ फसलें, खेती की जमीन और सरकारी और प्राइवेट प्रॉपर्टी को नुकसान हुआ। थोर वैली में ट्रैफिक पूरी तरह से रोक दिया गया क्योंकि कई जगहों पर मेन रोड बह गई थी। हजारों लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पावर ट्रांसमिशन लाइनें डैमेज हो गई और बाढ़ का मलबा कई घरों में घुस गया है। खानबारी में आई भयानक बाढ़ में पूरे घर, उनके सामान के साथ-साथ जानवरों के भी बह जाने की खबर सामने आई। डॉन ने बताया, 'डायमर-भाषा डैम प्रोजेक्ट पर काम कर रही एक प्राइवेट कंपनी को भारी नुकसान हुआ, क्योंकि बाढ़ के पानी में 13 डंपर, एक एक्सकेवेटर, एक क्रशिंग प्लांट और दो पानी के टैंकर बह गए, जिससे डेवलपमेंट का काम रुक गया।' प्रभावित इलाकों के लोगों ने सरकार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अथॉरिटी (एनडीएमए), जीबीडीएमए और दूसरी संबंधित संस्थाओं से तुरंत राहत अभियान शुरू करने, केकेएच और दूसरी सड़कों को ठीक करने, बिजली सप्लाई फिर से शुरू करने और प्रभावित परिवारों को आर्थिक मदद देने की अपील की है।

page 1 and 8 July 16_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/16/2026 1:29 AM Page 2

मेंढर में अपनी पार्टी की जनसभा, अल्ताफ बुखारी ने एनसी सरकार को चुनावी वादे याद दिलाए

मेंढर16 जुलाई। जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी (जेकेएपी) द्वारा डाक बंगला, मेंढर में एक ऐतिहासिक जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने बड़ी संख्या में मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, स्थानीय गणमान्य लोगों, युवाओं और सैकड़ों समर्थकों को संबोधित किया। अपने संबोधन में अल्ताफ बुखारी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार को चुनाव से पहले किए गए वादों की याद दिलाते हुए कहा कि रोज़गार, सुरक्षित पेयजल, मुफ्त बिजली, राशन, मुफ्त एलपीजी सिलेंडर तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े अधिकांश वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं, जिससे आम जनता में निराशा और असंतोष है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उन्हें राजनीतिक बयानबाज़ी या विरोध-प्रदर्शनों के बजाय व्यावहारिक समाधान की आवश्यकता है। सरकार को लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान पर प्राथमिकता से ध्यान देना चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं द्वारा सरकार के पास पूर्ण अधिकार न होने के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए बुखारी ने सवाल उठाया कि यदि सरकार के पास अधिकार नहीं थे तो चुनाव से पहले इतने बड़े-बड़े वादे क्यों किए गए। उन्होंने कहा कि जनता ईमानदारी की हकदार है और सरकार को अपने वादों को पूरा करने के लिए गंभीर प्रयास करने चाहिए।

बुखारी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी का मुख्य उद्देश्य जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाना, जम्मू-कश्मीर के विकास और समृद्धि के लिए कार्य करना तथा लोगों के बेहतर भविष्य को सुनिश्चित करना है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर संगठन को और मजबूत करने तथा जनता की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

जनसभा के दौरान संगठनात्मक विषयों, जनहित के मुद्दों, पीर पंजाल क्षेत्र के विकास तथा पार्टी की भावी रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने प्रभावी सुशासन और जनता से किए गए वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कौशल विकास मिशन एवं आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित किया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

स्किल डेवलपमेंट को मिली नई पहचान

2017 से पहले नौकरी निकलती नहीं थी और निकल गई तो चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली पर निकल पड़ती थी- सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने जताया युवा शक्ति पर भरोसा, कहा- युवाओं के दम पर बनेगा वन ट्रिलियन डॉलर का उत्तर प्रदेश

लखनऊ, 15 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में युवाओं के लिए न रोजगार था और न पारदर्शी भर्ती प्रणाली। सरकारी नौकरियों पर एक परिवार का अधिकार था और बिना पैसे कोई काम नहीं होता था। उत्तर प्रदेश कभी बीमारू नहीं था, बल्कि तत्कालीन सरकार की सोच व कार्यशैली बीमार थी। 2017 से पहले तत्कालीन राज्य सरकार ही प्रदेश की सबसे बड़ी अपशगुन थी। पिछले नौ वर्षों में प्रदेश सरकार ने 9 लाख से अधिक युवाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ सरकारी नौकरियां दी हैं, जबकि सवा तीन करोड़ से अधिक युवा व कारीगर रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़े हैं।

मुख्यमंत्री बुधवार को विश्व युवा कौशल दिवस-2026 के अवसर पर गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन और आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया, प्रशिक्षित युवाओं से संवाद किया और उनके उत्पादों की सराहना की। सीएम ने कहा कि इस वर्ष यूनेस्को ने विश्व युवा कौशल दिवस की थीम 卐साझा भविष्य के लिए कौशल निर्धारित की है। अवसर तभी साकार होते हैं, जब दूरदृष्टि और सकारात्मक सोच वाली सरकार हो। दुनिया का सबसे अधिक युवा वर्ग उत्तर प्रदेश में है और यह गर्व का विषय

है। यह हमारा डेमोग्राफिक डिविडेंड है। हम

इस स्केल को स्किलिंग से जोड़कर यूपी की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं। युवा शक्ति किसी भी चुनौती का समाधान बन सकती है। युवाओं को सही दिशा, प्रशिक्षण व अवसर मिलें तो वे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं।

सीएम ने कहा कि पिछली सरकारों ने ऐसे हालात बना दिए कि बाहर के लोग यूपी के नाम से चिढ़ते थे। कोई युवा डिप्लोमा या डिग्री लेकर प्रदेश से बाहर जाता था तो उसे अपनी पहचान और सम्मान के लिए संघर्ष करना पड़ता था। सरकारी नौकरियों पर एक खानदान का अधिकार था, पारदर्शिता का अभाव था। भर्ती प्रक्रियाओं में भाई-भतीजावाद व भ्रष्टाचार हावी था। बिना पैसे कोई काम नहीं होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि धन्ना सेठ हो या झोपड़ी में रहने वाला इंसान, रोटी केवल दो ही खाता है। जिसके पास सीमित आवश्यकता है, उसको नींद अच्छी आती है। जिसके पास चोरी का पैसा होगा, वह ठीक से सो भी नहीं पाता। उसके लिए तो जीवन नर्क से बदतर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पहली बार देश में कौशल विकास मंत्रालय का गठन कर स्किल डेवलपमेंट को नई पहचान और दिशा दी। इसे युवाओं के रोजगार, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बनाया गया है। करीब 10 वर्ष पहले यहां मौजूद अधिसंख्य युवा छात्र थे और माता-पिता पर निर्भर थे। तब प्रदेश की स्थिति बेहद खराब थी। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और आधुनिक तकनीक से जोड़ने की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं थी। स्कूल शिक्षा की स्थिति भी संतोषजनक नहीं थी और युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए। कानून-व्यवस्था की स्थिति भी कमजोर थी। न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी और न ही आम नागरिक। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रकृति व परमात्मा की विशेष कृपा वाला प्रदेश है। यहां गंगा, यमुना, सरयू, गोमती, राप्ती व घाघरा जैसी नदियों के रूप में प्रचुर जल संसाधन उपलब्ध हैं, जो दुनिया के बहुत कम क्षेत्रों को प्राप्त हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा, वृंदावन, नैमिषारण्य, विंध्यवासिनी धाम, मां पाटेश्वरी धाम, शाकंभरी धाम और महाकुंभ जैसी आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों ने उत्तर प्रदेश को विशिष्ट पहचान दी है।

स्थानीय समाचार

राजौरी की ऐतिहासिक भैरव यात्रा को भारत की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में किया गया शामिल, उपराज्यपाल सिन्हा ने दी बधाई

श्रीनगर, 15 जुलाई (हि.स.)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को राजौरी जिला प्रशासन और जम्मू-कश्मीर संस्कृति विभाग को बधाई देते हुए एक पोस्ट जारी किया। राजौरी की ऐतिहासिक भैरव यात्रा को भारत की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया है। अपने पोस्ट में सिन्हा ने लिखा कि राजौरी के लिए गर्व का क्षण! जिले की ऐतिहासिक भैरव यात्रा को आधिकारिक तौर पर भारत की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कर लिया गया है। इस सपने को साकार करने के लिए राजौरी जिला प्रशासन और जम्मू-कश्मीर संस्कृति विभाग को हार्दिक बधाई। यह प्रतिष्ठित मान्यता क्षेत्र की गहरी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ों को प्रलेखित करने, संरक्षित करने और उनका जश्न मनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आगे लिखा कि यह राष्ट्रीय सम्मान उन पीढ़ियों के भक्तों के प्रयासों को मान्यता देता है जिन्होंने इस परंपरा को जीवित रखा। भैरव यात्रा को राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल करने से राष्ट्रीय स्तर पर राजौरी की अनूठी सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी और शोध, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सतत विरासत पर्यटन के द्वार खुलेंगे।

अमरनाथ के लिए 6,251 तीर्थयात्रियों का जत्था जम्मू से रवाना, 50 विदेशी श्रद्धालु भी शामिल

जम्मू, 15 जुलाई (हि.स.)। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुधवार तड़के जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से 6,251 तीर्थयात्रियों जिनमें 50 विदेशी श्रद्धालु भी शामिल हैं का नया जत्था वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार, 2,985 तीर्थयात्रियों ने बालटाल मार्ग को चुना जबकि 3,266 तीर्थयात्री पहलगाम नुनवान बेस कैंप के लिए रवाना हुए। इस काफिले में 230 गाड़ियां शामिल थीं जिनमें 137 बसें, 34 मीडियम मोटर व्हीकल और 59 लाइट मोटर व्हीकल शामिल थे। इस जत्थे में 4,439 पुरुष, 1,614 महिलाएं, 13 बच्चे, 78 साधु, 53 साध्वियां, एक बाल साधु, तीन ट्रांसजेंडर तीर्थयात्री और 50 विदेशी पुरुष श्रद्धालु शामिल थे। बालटाल जाने वाला काफिला तड़के 2:42 बजे रवाना हुआ जबकि पहलगाम जाने वाला काफिला कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 3-27 बजे रवाना हुआ। इस नए जत्थे के साथ जम्मू से 2 जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 99,287 तक पहुंच गई है।

एल-जी वीके सक्सेना ने लद्दाख की खुबानियों की पहली 5 मीट्रिक टन निर्यात खेप यूएई के लिए रवाना की

लेह, 15 जुलाई। लद्दाख के बागवानी क्षेत्र को नई दिशा देने और स्थानीय किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने आज लद्दाख की प्रीमियम गुणवत्ता वाली 5 मीट्रिक टन ताज़ी खुबानियों की पहली निर्यात खेप संयुक्त अरब अमीरात * के लिए रवाना की। यह पहल लद्दाख के अब तक के सबसे बड़े ताज़ी खुबानी निर्यात कार्यक्रम की शुरुआत है और इससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होने के साथ-साथ लद्दाख को विश्व स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खुबानी के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

यह निर्यात अप्रैल 2026 में लद्दाख प्रशासन और यूएई स्थित वैश्विक रिटेल समूह लूलू रिटेल के बीच एपीडा के माध्यम से हुए समझौता ज्ञापन एमओयू के तहत संभव हुआ है।

इस समझौते के अनुसार मौजूदा फसल सीजन में 1,000 मीट्रिक टन से अधिक ताज़ी खुबानी का निर्यात किया जाएगा। यह उपलब्धि पिछले दो वर्षों में केवल 1,500 किलोग्राम खुबानी निर्यात की तुलना में एक बड़ी छलांग है और लद्दाख के बागवानी इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक मानी जा रही है। खुबानी अत्यंत नाजुक और शीघ्र खराब होने वाला फल है, जिसे शून्य से 4 डिग्री सेल्सियस तापमान पर सुरक्षित रखना और परिवहन करना आवश्यक होता है। इसे ध्यान में रखते हुए लद्दाख

प्रशासन ने कॉनकोर कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से शीत-श्रृंखला कोल्ड चेन परिवहन की व्यवस्था की, ताकि फल की ताजगी और गुणवत्ता बरकरार रहे। इस महत्वाकांक्षी निर्यात कार्यक्रम में लद्दाख की स्वदेशी खुबानी की प्रसिद्ध किस्में रक्तसे कारपो और हलमान शामिल हैं, जिन्हें उनकी असाधारण मिठास, उत्कृष्ट स्वाद, उच्च पोषण मूल्य और पूर्णत: जैविक खेती के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। लद्दाख की ऊंचाई वाले विशेष भौगोलिक वातावरण, भरपूर धूप और स्वच्छ प्राकृतिक परिस्थितियों में उगाई जाने वाली ये किस्में दुनिया की श्रेष्ठ खुबानियों में गिनी जाती हैं और वैश्विक बाजारों में इनकी मांग लगातार बढ़ रही है। इस अवसर पर उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि पहली निर्यात खेप का रवाना होना लद्दाख के बागवानी क्षेत्र के लिए एक नए युग की शुरुआत है और यह स्थानीय किसानों को सीधे वैश्विक बाजारों से जोड़ने के प्रशासन के स कल्प का प्रमाण है।

अब उद्यमी और निर्माता प्रमुख यूरोपीय खरीदारों से सीधे जुड़ सकेंगे: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली, 15 जुलाई (। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत टेक्स 2026 से पहली बार निर्यात करने वाले उद्यमियों और निर्माताओं को प्रमुख यूरोपीय खरीदारों से सीधे जुड़ने में मदद मिलेगी।

गिरिराज सिंह ने यह बात आज दिल्ली स्थित भारत मंडपम में चल रहे भारत टेक्स में भारत और फ्रांस के बीच संस्थागत सहयोग को मजबूत करने के लिए एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर के दौरान कही। इस पर प्रीमियर विजन एसए की फैशन डिवीजन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी फ्लोरेंस रूसन और भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष नरेन गोयनका ने हस्ताक्षर किए। भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन (बीटीटीएफ) और प्रीमियर विजन पेरिस की वस्त्र सहयोग को प्रगाढ़ बनाने के लिए यह एक रणनीतिक साझेदारी है। भारत को वैश्विक वस्त्र स्रोत गंतव्य के रूप में स्थापित करने और भारत-यूरोपीय संघ के बीच द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करना है। उन्होंने कहा, 卐यह साझेदारी भारत टेक्स को एक सच्चे वैश्विक मंच के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश के लघु एवं मध्यम उद्यमों, पहली बार निर्यात करने वाले उद्यमियों और निर्माताओं को प्रमुख यूरोपीय खरीदारों से सीधे जुड़ने में मदद मिलेगी। साथ ही, यह वैश्विक वस्त्र मूल्य श्रृंखला में भारत को एक विश्वसनीय, नवोन्मेषी और टिकाऊ स्रोत के रूप में मजबूती से पेश करेगा। इस साझेदारी से नवाचार, स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी), डिजाइन उत्कृष्टता और ट्रेंड्स की जानकारी को बढ़ावा देना है। इससे भारतीय निर्माताओं, निर्यातकों और डिजाइनरों को वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करने के नए अवसर मिलेंगे, साथ ही वैश्विक फैशन हाउसों और खरीदारों का जुड़ाव भारत के प्रतिस्पर्धी वस्त्र उद्योग से गहरा होगा।

किसानों का 48,000 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया माफ करेंगे : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, 15 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को मुंबई में कहा कि उनकी सरकार बहुत जल्द किसानों का 48,000 करोड़ रुपये का बिजली बिल माफ करने का फैसला करने वाली है।

महाराष्ट्र में किसानों को 2 लाख रुपये तक का कर्ज माफ करने के बाद बुधवार को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण सभागृह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार ने साढ़े सात हॉर्सपावर तक के खेती के पंपों के बिजली बिल माफ कर दिए हैं। लेकिन कई किसानों के नाम पर पिछला बकाया होने की वजह से उन्हें नए बिजली कनेक्शन लेने में दिक्कतें आ रही हैं। इसी वजह से राज्य सरकार किसानों का बिजली बिल एकमुश्त माफ करने का निर्णय जल्द लेने वाली है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर शेतकरी कर्जमुक्ति योजना की घोषणा की गई है, जिससे राज्य के 56 लाख किसानों को 36,585 करोड़ रुपये का फायदा मिलेगा।

जिन किसानों को ज्योतिराव फुले शेतकरी कर्जमुक्ति योजना के तहत 50,000 रुपये का फायदा मिला है, उनके लिए पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर योजना में 50,000 रुपये का फायदा देने की लिमिट हटा दी गई है और इन किसानों को 2 लाख रुपये तक के कर्ज में राहत का फायदा मिलेगा। साथ ही, रेगुलर पेमेंट करने वाले किसानों के लिए 2026-27 में लोन लेकर उसे समय पर चुकाने की शर्त भी खत्म कर दी गई है।

राज्य सरकार सस्टेनेबल खेती में भारी इन्वेस्टमेंट कर रही है। फसल लोन माफी के साथ-साथ, राज्य ने सिंचाई प्रोजेक्ट, पानी जमा करने, कोल्ड स्टोरेज, वैल्यू एडिशन, प्रोसेसिंग इंडस्ट्री और मार्केट कनेक्टिविटी के लिए हजारों करोड़ रुपये का इंतज़ाम किया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को राज्य में किसानों को 2 लाख रुपये तक का कर्ज माफ करने पर यशवंतराव चव्हाण सेंटर में तुलसीहार, विट्ठल की मूर्ति और बैलगाड़ी की रेप्लिका देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक वुइके, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, प्रवीण दारकेकर, रणधीर सावरकर, संजय कुटे, रूक्ष अनिल बोंडे और राज्य के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

विश्व युवा कौशल दिवस पर बायोटेक पार्क कठुआ में भव्य कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 15 जुलाई। सीएसआईआर-भारतीय समेकित औषधि संस्थान (सीएसआईआर-आईआईआईएम), जम्मू के अंतर्गत संचालित बायोनेस्ट बायोइन्क्यूबेशन सेंटर, औद्योगिक बायोटेक पार्क (आईबीटीपी), घाटी, कठुआ में विश्व युवा कौशल दिवस 2026 के अवसर पर 卐भविष्य के युवाओं के लिए कौशल卐 विषय पर पूरे दिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना था। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों तथा वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कुल 130 विद्यार्थियों और सात शिक्षकों ने भाग लिया, जिनमें श्री साई ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, पठानकोट के विद्यार्थी एवं पांच शिक्षक तथा आरडी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कठुआ के विद्यार्थी एवं दो शिक्षक शामिल रहे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ज़बीर अहमद, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू एवं अध्यक्ष, बायोनेस्ट-आईबीटीपी, कठुआ ने मुख्य व्याख्यान देते हुए युवाओं से नवाचार को अपनाने, उद्यमशीलता की क्षमता विकसित करने और उद्यमिता को एक प्रभावी करियर विकल्प के रूप में अपनाने का आह्वान किया। औद्योगिक बायोटेक पार्क की सुविधाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक केंद्र केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री तथा सीएसआईआर के उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में स्थापित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य स्टार्टअप्स को उद्योग-उन्मुख कौशल प्रशिक्षण तथा इन्क्यूबेशन सहायता प्रदान करना है।

विज्ञान प्रगति का माध्यम बने और मानवता उसकी दिशा तय करे : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

डॉ. सुरेश अवस्थी स्मृति व्याख्यानमाला में उपराज्यपाल ने दिया मुख्य व्याख्यान

जम्मू, 15 जुलाई। वाराणसी स्थित डॉ. सुरेश अवस्थी स्मृति न्यास द्वारा आज डॉ. सुरेश अवस्थी की 20वीं पुण्य स्मृति के अवसर पर आयोजित स्मृति समारोह में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने एआई प्रभाव और दुष्प्रभाव विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया।

उपराज्यपाल ने डॉ. सुरेश अवस्थी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें ज्ञान, विनम्रता और दूरदर्शिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. अवस्थी एक प्रख्यात विद्वान थे, जिन्होंने राजनीति विज्ञान को समाज निर्माण और राष्ट्र सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम माना। उन्होंने स्वतंत्र चिंतन को प्रेरित किया और उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। युवाओं को उनके आदर्शों और मूल्यों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। अपने मुख्य व्याख्यान में उपराज्यपाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने शिक्षा और रोजगार की पूरी व्यवस्था को बदल दिया है तथा रोजगार बाजार को मूल रूप से नया स्वरूप दिया है। यह आज के दौर की आर्थिक व्यवस्था को परिभाषित कर रही है। उन्होंने

कहा कि मानव इतिहास में कुछ ऐसे क्षण आते हैं, जब सभ्यता एक नए युग में प्रवेश करती है। उन्होंने कहा, 卐पहिए का आविष्कार, मुद्रण कला का विकास, भाप इंजन, बिजली की खोज, कंप्यूटर और इंटरनेट का प्रसार—इन सभी ने दुनिया को बदल दिया।

आज हम ऐसे ही एक नए युग की दहलीज पर खड़े हैं। एआई हमारे घरों, स्कूलों, अस्पतालों, उद्योगों, खेतों और सरकारी तंत्र तक पहुंच चुका है और हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। दूर-दराज के गांवों में भी एआई लोगों का जीवन बदल रहा है। अब एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता एआई की मदद से चिकित्सा जांच कर सकता है, किसानों को तुरंत मौसम और फसल संबंधी सलाह मिल रही है तथा छात्रों को उनकी अपनी भाषा में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध हो रही है। उपराज्यपाल ने कहा कि एक परिपक्व समाज को आधुनिक तकनीकों, विशेषकर एआई, का उपयोग संवेदनशीलता और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए। भारत सदियों से ज्ञान, नवाचार और मानवता की साझा विरासत का वाहक रहा है। हमारे देश ने दुनिया को यह सिखाया है कि विज्ञान और नैतिकता के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। उन्होंने कहा, 卐जब एआई हमारे सामने नए अवसर लेकर आया है, तब हमारा कर्तव्य केवल इसे अपनाना ही नहीं, बल्कि इसे सही दिशा देना भी है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि जब तकनीक का उपयोग मानव कल्याण के लिए होता है, तब यह अवसरों का लोकतंत्रीकरण करती है और उन लोगों तक संभावनाएं पहुंचाती है,

जो पहले उनसे वंचित थे। इसलिए हमें इस परिवर्तन का स्वागत करना चाहिए। आज आवश्यकता मनुष्य और मशीन की तुलना करने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि मशीनें मानव क्षमता का विस्तार करें, उसका स्थान न लें। उपराज्यपाल ने कहा कि इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के साथ बदलाव की चुनौतियां भी आती हैं। जैसे मुद्रण कला के आने के बाद हस्तलिखित पांडुलिपियों का दौर समाप्त हुआ और ट्रैक्टर ने हाथ से चलने वाले हल का स्थान लिया, उसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर को भी रोका नहीं जा सकता।